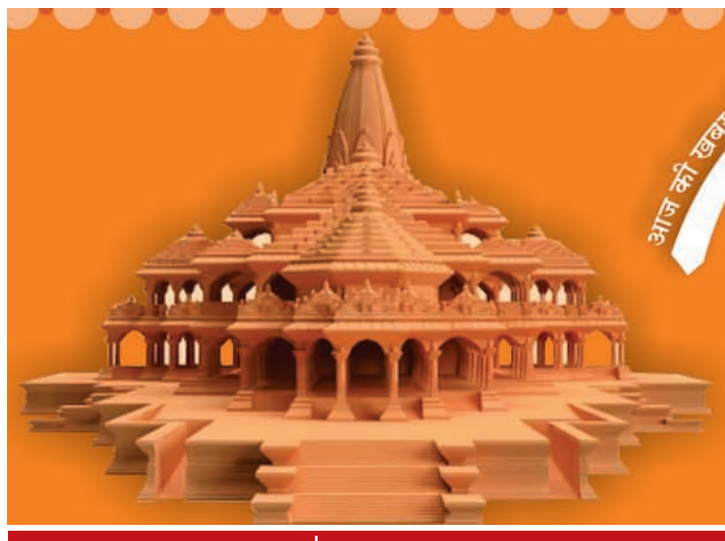

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

आ रहे हैं 'राम'

वर्ष : 26 | अंक : 26 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 16 जनवरी, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रुपया | पेज: 8

मथुरा की शाही ईदगाह का नहीं होगा सर्वे

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा की शाही ईदगाह को लेकर बड़ा फैसला दिया है। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में हिंदू पक्ष को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें शाही ईदगाह के सर्वे करने को आदेश दिया गया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बीते साल 14 दिसंबर को मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शाही ईदगाह परिसर के सर्वे को मंजूरी दी थी, जिसके खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

हिन्दू पक्ष की याचिका पर दिया था फैसला

शाही ईदगाह में सर्वे की मांग के लिए भगवान श्रीकृष्ण विराजमान और 7 अन्य लोगों ने वकील हरि शंकर जैन, विष्णु शंकर जैन, प्रभाष पांडे और देवकी नंदन के माध्यम से इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दायर कर सर्वे की मांग की थी. याचिका में दावा किया गया था कि भगवान श्री कृष्ण का जन्मस्थान मस्जिद के नीचे है और वहां कई संकेत हैं जो स्थापित करते हैं कि मस्जिद एक हिंदू मंदिर था।

कोर्ट में जारी रहेगा केस

भगवान श्री कृष्ण लल्ला विराजमान का प्रतिनिधित्व करने वाली वकील रीना एन सिंह ने बताया कि आज अदालत ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय मामले के सर्वेक्षण आदेश के बारे में सुनवाई की, जिसे मुस्लिम पक्ष द्वारा चुनौती दी गई थी। इंतेजामिया कमेटी ने आदेश को चुनौती दी थी और आज सुप्रीम कोर्ट ने केवल सर्वेक्षण आदेश पर रोक लगाई। लेकिन उन्होंने मुकदमे पर रोक नहीं लगाई है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में मुकदमा जारी रहेगा। इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 23 जनवरी को है।

पौष मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि विक्रम संवत-2080

ब्रह्म मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान शुरू

108 फीट लम्बी अगरबत्ती जलाई, डेढ महीने तक बिखेरेगी खुशबू

अयोध्या (एजेंसी)। ब्रह्म मुहूर्त में आज से श्रीराम मंदिर में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का अनुष्ठान प्रारंभ हो गया। आज ही राम जन्मभूमि मंदिर में गर्भगृह के द्वार को भी स्थापित किया गया। अनुष्ठान शुरू होने के बाद गुजरात से लाई गई 108 फीट लम्बी अगरबत्ती जलाई गई जो डेढ़ महीने तक खुशबू बिखेरेगी।

अयोध्या में नए राम मंदिर में भगवान राम लला की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान आज से शुरू हो गया है। ये कार्यक्रम 7 दिन तक चलेंगे। 17 जनवरी

राम जन्मभूमि मंदिर में गर्भगृह द्वार स्थापित।

चैंबर में घुसकर वकील से मांगी लाखों की रंगदारी

नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित जिला न्यायालय परिसर में बने अधिवक्ताओं के चेंबर में एक अधिवक्ता से हिस्ट्रीशीटर बदमाश द्वारा धमकी देकर ढाई लाख रुपए की रंगदारी मांगने का मामला प्रकाश में आया है। हिस्ट्रीशीटर की धमकी के बाद अधिवक्ता ने थाना सूरजपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण न्यायालय गौतमबुद्धनगर के पैनल एडवोकेट प्रमोद कुमार शर्मा ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह मूल रूप से ग्राम बैरंगपुर उर्फ नई बस्ती के रहने वाले हैं। बीते 10 जनवरी को वह सूरजपुर स्थित न्यायालय परिसर में अपने चेंबर में बैठे हुए थे। इस दौरान उनके ही गांव का सजायाफ्ता हिस्ट्रीशीटर बदमाश नितिन पंडित अपने दो साथियों के साथ उनके चेंबर पर पहुंचा। नितिन पंडित ने उनसे ढाई लाख रुपये रंगदारी दिए जाने की मांग की। उनके इनकार करने पर नितिन अपने साथियों के साथ वहां से चला गया इसके पश्चात 12 जनवरी की रात्रि को नितिन ने उनके मोबाइल पर फोन कर ढाई लाख रुपए दिए जाने की मांग की। पैसे ना देने पर उसने उन्हें तथा परिजनों को अंजाम भुगतने व जान से मारने की धमकी दी।

एडवोकेट प्रमोद कुमार शर्मा के मुताबिक नितिन पंडित शातिर हिस्ट्रीशीटर बदमाश है और उस पर करीब 20 मुकदमे थाना सूरजपुर, जारचा, कासना, बीटा दो व दादरी थाने में दर्ज हैं।

सौतेली नानी से बच्चा खरीदने वाला डाक्टर व उसके साथी गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। शाहबेरी गांव से 8 माह पूर्व हुए बच्चा चोरी के मामले का थाना बिसरख पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। नवजात बच्चे को उसकी सौतेली नानी ने चोरी कर एक डॉक्टर की मदद से दो लाख रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने बच्चा चोरी के मामले में डॉक्टर सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया।

एडीसीपी सेंट्रल ह्रदेश कठेरिया ने बताया कि 10 मई 2023 को शाहबेरी गांव में नानक के यहां किराए पर रहने वाली शिवांगी का एक माह का बेटा चोरी हो गया था। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने इस मामले में मुकदमा दर्ज किया। छानबीन के पश्चात पता चला कि बच्चों को शिवांगी की सौतेली मां बबीता इंजेक्शन लगवाने के बहाने ले गई थी। इसके बाद उसने बच्चे को जमुना नाम की महिला तथा डॉक्टर दीपक त्यागी के साथ मिलकर ग्राम श्यामपुर जट हापुड़ निवासी अमरवीर को 2 लाख रुपए में बेच दिया था। पुलिस ने पूर्व में बच्चे की सौतेली नानी बबीता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

2 लाख रुपए में बेंच दिया था एक महीने का बच्चा

इस मामले में थाना प्रभारी अरविंद कुमार सिंह व उनकी टीम हापुड़ निवासी जमुना, डॉक्टर दीपक त्यागी तथा बच्चा खरीदने वाले अमर वीर की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने जमुना, डॉक्टर दीपक त्यागी तथा अमर वीर को गिरफ्तार कर बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया है।

आठ माह बाद बच्चे के सकुशल मिलने पर उसकी मां शिवांगी ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है। शिवांगी ने पुलिस के कार्य प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस के प्रयासों से उसे जीवन की सबसे बड़ी खुशी मिली है।

कोहरे की मार : दादरी में भिड़े 10 वाहन, चार घायल

नोएडा (चेतना मंच)। आज तड़के दादरी बाईपास पर घने कोहरे की वजह से 8 से 10 वाहन आपस में टकरा गए और कई गाड़ियां एक ट्रक में जा घुसी। जिससे कई वाहन चालक घायल हो गए। हादसे की वजह से बाईपास पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। हादसा होने की जानकारी पाकर दादरी पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और वाहनों को बाहर निकाल कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहनों को हटाकर यातायात को सुचारु कराया।

आपको बता दें कि पिछले चार पांच दिनों से नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत वेस्ट यूपी, पूर्वोत्तर यूपी समेत पूरे देश में ठंड का जबरदस्त प्रकोप बना हुआ है। हालांकि दोपहर बाद धूप निकलने से कुछ राहत मिलती है, **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

शर्मनाक : 95 साल के दादा को शराबी पोते ने पीटा

दौलत के लिए बेटे-बहु ने माँ से की हाथापाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। कलयुग के इस दौर में खून के रिश्तों पर दौलत की भूख भारी पड़ रही है। स्थितियां यह हो गई है कि पैसों के लिए लोग रिश्ते नाते व शर्म लिहाज को ताक पर रखकर अपने बुजुर्गों के साथ मारपीट करने से भी गुरेज नहीं कर रहे हैं। जनपद के दो थाना क्षेत्र में ऐसे ही दो शर्मनाक मामले प्रकाश में आए हैं। जहांगीरपुर में पैसे ना देने पर शराबी पोते ने अपने 95 साल के दादा के साथ मारपीट की। वहीं बिसाहड़ा

गांव में बेटे ने अपनी पत्नी के साथ मिलकर मां के साथ मारपीट की।

थाना जेवर क्षेत्र के मोहल्ला व्यापारियन कस्बा जहांगीरपुर निवासी नजीर ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसका पोता परवेज शराब पीने का आदी है। दिनभर शराब के नशे में उसके साथ गाली गलौज व मारपीट करता है। बीते दिनों उसने शराब पीने के लिए पैसे ना देने पर उसके साथ गाली गलौज और मारपीट की। वृद्ध नजीर ने पुलिस से कार्यवाही की गुहार लगाते हुए कहा कि वह अपने पोते की अत्याचारों से त्रस्त हो चुका है। वृद्ध की दुःख भरी कहानी सुनकर कई पुलिसकर्मी भी व्यथित नजर आए। थाना जेवर पुलिस ने परवेज के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

डिलीवरी ब्वॉय की बाइक से टकराकर बच्चे की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र के पी-3 गोल चक्कर पर तेज गति में बाइक पर आ रहे ग्रोफर्स कंपनी ब्लिंकिट के डिलीवरी ब्वॉय ने 8 वर्षीय बच्चे को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल बच्चे की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने बाइक चालक को हिरासत में ले लिया है।

मूल रूप से मध्य प्रदेश निवासी किशोरी लाल अपने परिजनों के साथ पी-3 सेक्टर में रह रहे हैं। सोमवार को उनका 8 वर्षीय बेटा शिवम उर्फ रामजीवन सड़क पार कर रहा था। इस दौरान तेज गति में बाइक पर आ रहा ब्लिंकिट कंपनी का डिलीवरी ब्वॉय संतुलन खो बैठा और उसने शिवम को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शिवम उर्फ रामजीवन गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने चालक मनोज को हिरासत में ले लिया और घायल बच्चे को उपचार के लिए नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंची। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

ट्रक में लदी 600 बोरी सीमेंट लेकर फरार चालक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी से ट्रक में लोड कर भेजा गया लाखों रुपए की सीमेंट के बोरों को ट्रक चालक लेकर फरार हो गया इस संबंध में ट्रांसपोर्टर ने ट्रक मालिक व ट्रक चालक के खिलाफ थाना बादलपुर में मुकदमा दर्ज कराया है।

हरदीप सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसका दादरी स्थित अंबुजा सीमेंट प्लांट में ट्रांसपोर्ट का कार्य है। उसने अपने ट्रांसपोर्ट से बीते 9 नवंबर को 600 बोरी सीमेंट एसीसी **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

'जन-जन तक पहुंचाएं जनकल्याणकारी योजनाएं'

- भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष ने की समीक्षा बैठक

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा के सभी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता केन्द्र व राज्य सरकार की जनहित योजनाओं का घर-घर प्रचार-प्रसार करें। इसके अलावा पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को पूरी लगन के साथ सफल बनाएं। यह आहवान किया भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जय प्रकाश कुशवाह ने। वे सेक्टर-116 स्थित भाजपा महानगर कार्यालय में ओबीसी मोर्चा की समीक्षा बैठक कर रहे थे।

श्री कुशवाह ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार ने हर वर्ग, धर्म व बिरादरी के लिए विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई हैं। जिससे करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। इसकी जानकारी आम लोगों तक पहुंचाएं। उन्होंने दावा किया कि इस बार भी मोदी सरकार भारी मतों से सत्ता में आएगी। **(शेष पृष्ठ-3 पर)**

आठ दिन पहले खरीदी चेन बदमाशों ने लूटी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के पंचशील बाजार में सब्जी खरीद रहे एक व्यक्ति के गले से बाइक सवार दो बदमाश सोने की चेन लूट कर फरार हो गए। पीड़ित ने बाइक सवार बदमाशों का पीछा किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़े।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के आस्था ग्रीन टावर में रहने वाले राजेश ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में बताएं कि वह पंचशील बाजार में सब्जी खरीदने के लिए आए थे। वह दुकान पर सब्जी खरीद रहे थे इस दौरान पीछे से अपाचे बाइक पर आए दो बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन खींच ली। उन्होंने शोर मचाकर बदमाशों का

पीछा किया लेकिन वह भाग निकले। राजेश कुमार के मुताबिक दोनों बदमाशों ने हेलमेट लगाया हुआ था जिस कारण वह उनका चेहरा ठीक से नहीं देख पाए। पीड़ित के मुताबिक उसने 8 दिन पहले ही सोने की चेन खरीदी थी।

थाना प्रभारी ने बताया कि अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

वित्तीय वर्ष-2023-24 के तीन तिमाही में

निबंधन विभाग को लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 56.30 फीसदी राजस्व हासिल!

नोएडा (चेतना मंच)। वित्तीय वर्ष-2023-24 के तीन तिमाही के दौरान यानि दिसंबर 2023 तक निबंधन विभाग निर्धारित लक्ष्य का मात्र 56.30 फीसदी राजस्व ही हासिल कर पाया। इसका प्रमुख कारण नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना प्राधिकरण की परिसंत्तियों की अपेक्षा के अनुरूप रजिस्ट्री न होना माना जा रहा है। मालूम हो कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान निबंधन विभाग को 4728.70 करोड़ रूपये के राजस्व का लक्ष्य दिया गया है।

RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

सौहार्द के बीज

राजस्व लोक अदालतों की शुरुआत करके सुक्खू सरकार ने जमीनी विवादों के आरंभिक कारणों को निरस्त नहीं किया, बल्कि समाज के संदर्भों में सौहार्द के बीज भी वो दिए। इंतकाल के 65 हजार मामलों का निपटारा अपने आप में केवल एक रिकार्ड नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के लिए सुकून का रिकार्ड है। राजस्व विभाग को अनिर्णायक होने से बचाने के लिए यह कदम वर्षों की सुस्ती तथा फाइलों के जमघट से छुटकारा दिला रहा है। भूमि प्रबंधन और पारिवारिक विभाजन की सीमारेखा पर खड़े विवाद समाज से शांति और प्रदेश से संभावना छीनते रहे हैं। विवादों के तर्क से वर्षों की हानि, मेहनत की बर्बादी और भविष्य की अनिश्चितता को ये अदालतें वरदान साबित हो रही हैं, तो इसका साधुवाद हिमाचल सरकार को मिल सकता है। मंडे मीटिंग में हिमाचल से मुलाकात करते मुख्यमंत्री ने व्यवस्था परिवर्तन के कई अन्य रास्तों को भी चुस्त-दुरुस्त किया और जहां संकल्प आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अलग विभाग, होटल व विश्रामगृहों का क्यू आर कोड से ऑनलाइन भुगतान, हमीरपुर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान तथा स्वरोजगार स्टार्ट अप योजना के आकार को नई शक्ल दे रहे हैं। दरअसल मंडे बैठक के जरिए मुख्यमंत्री राज्य का नजरिया बदलते हैं, योजना प्रारूप को शक्ल प्रदान करते हैं, युवाओं के प्रति अपनी भूमिका तथा हिमाचल की हर संभावना को संवाद तक ले जाते हैं। राजस्व विभाग में व्यवस्था परिवर्तन का अक्स, अब सुलझे तकसीम के मामलों तथा इंतकाल के कागजात पर नजर आने लगा है, लेकिन इसकी दूसरी भूमिका में सरकार को अपने लिए भूमि का इंतजाम करना है। योजनाओं-परियोजनाओं की खपत में आवश्यक सार्वजनिक भूमि की तलाश व इसकी वन भूमि से रिहाई किए बिना, हमारी तरक्की का आलम हमेशा दलदल में फंसा है। अगर निजी भूमि के इंतकाल व तकसीम के आंकड़े अब राहत की खिड़कियां खोल रहे हैं, तो आइंदा इस गति से सार्वजनिक भूमि को चिन्हित, वन भूमि से मुक्त तथा अतिक्रमण से छीन कर राज्य का एक व्यापक, समग्र और बहुआयामी लैंड बैंक स्थापित करना होगा। इससे पहले व्यावहारिक जरूरतों, नागरिक सुविधाओं, विकास की अनिवार्यता, तरक्की की गुंजाइश भविष्य की अधोसंरचना, शहरी विकास, औद्योगिक विकास तथा निवेश संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक भूमि की उपलब्धता का डाटा तथा अतिरिक्त भूमि का रास्ता खोलने की कसौटियां बुलंद करनी होंगी। राजस्व विभाग सार्वजनिक भूमि का राज्य स्तरीय डाटा बनाए, जबकि वन विभाग व अतिक्रमण से जमीन वापस लेने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भविष्य में हर शहर को चार बड़े मैदान, हर गांव को एक मैदान, शहरी विकास के तहत मनोरंजन-पर्यटक स्थल, बाजार-मॉल, पार्किंग स्थल, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, बस स्टैंड-बस स्टॉप, सीवरेज, विद्युत तथा जलापूर्ति व्यवस्था के लिए माकूल जमीन तथा पूरे राज्य में नए निवेश केंद्र विकसित करने के लिए अतिरिक्त जमीन का प्रबंधन करना होगा। हर ग्रामीण व शहरी निकाय के लक्ष्यों में भविष्य के अनुपात में भूमि बैंक स्थापित करने के उद्देश्य से विभागीय समन्वय कायम करते हुए, वर्ष के भीतर सारी कार्रवाई मुकम्मल होनी चाहिए। भविष्य में हर गांव को भी शहर की तरह नागरिक सुविधाओं की जरूरत होगी, तो नई आवासीय बस्तियों के लिए जमीन की उपलब्धता चाहिए। इसी के साथ सरकार को सार्वजनिक संपत्तियों का ऑडिट करते हुए इमारतों की फिजूलखर्ची घटानी होगी या दो तीन शहरों की कलस्टर प्लानिंग करते हुए, इनके बीचोंबीच अदालत परिसर, बस स्टैंड, सरकारी दफ्तर, कर्मचारी बस्तियां, हाई-वे टूरिज्म, आधुनिक बाजार, मनोरंजन केंद्र व कूड़ा-कर्कट प्रबंधन करके भूमि की अनावश्यक खपत कम करनी होगी। प्रदेश के पुराने व नए शहरी कस्बों के साथ-साथ समूचे हिमाचल को अगर टीसीपी के तहत लाया जाए, तो कम से कम नागरिक सुविधाओं के लिए अतिरिक्त भूमि की मात्रा का पता चल जाएगा।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि तालाब में स्नान और जलपान करके वे प्रसन्नचित्त से वटवृक्ष के नीचे गए। वहाँ श्री रामजी के सुंदर चरित्र सुनने के लिए बूढ़े-बूढ़े पक्षी आए हुए थे॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कथा अरंभ करै सोइ चाहा। तेही समय गयउ खगनाहा॥
आवत देखि सकल खगराजा। हरषेउ बायस सहित समाजा॥

भुशुण्डिजी कथा आरंभ करना ही चाहते थे कि उसी समय पक्षीराज गरुड़जी वहाँ जा पहुँचे। पक्षियों के राजा गरुड़जी को आते देखकर काकभुशुण्डिजी सहित सारा पक्षी समाज हर्षित हुआ॥

अति आदर खगपति कर कीन्हा। स्वागत पूछि सुआसन दीन्हा॥
करि पूजा समेत अनुरागा। मधुर बचन तब बोलेउ कागा॥

उन्होंने पक्षीराज गरुड़जी का बहुत ही आदर-सत्कार किया और स्वागत (कुशल) पूछकर बैठने के लिए सुंदर आसन दिया। फिर प्रेम सहित पूजा कर के कागभुशुण्डिजी मधुर वचन बोले-॥

दो0-नाथ कृतारथ भयउँ मैं तव दरसन खगराज।
आयसु देहु सो करौं अब प्रभु आयहु केहि काज॥

हे नाथ! हे पक्षीराज! आपके दर्शन से मैं कृतार्थ हो गया। आप जो आज्ञा दें मैं अब वही करूँ। हे प्रभो ! आप किस कार्य के लिए आए हैं?॥

सदा कृतारथ रूप तुम्ह कह मृदु बचन खगेस॥
जेहि कै अस्तुति सादर निज मुख कीन्ह महेस॥

पक्षीराज गरुड़जी ने कोमल वचन कहे- आप तो सदा ही कृतार्थ रूप हैं, जिनकी बड़ाई स्वयं महादेवजी ने आदरपूर्वक अपने श्रीमुख से की है॥

सुनहु तात जेहि कारन आयउँ। सो सब भयउ दरस तव पायउँ॥
देखि परम पावन तव आश्रम। गयउ मोह संसय नाना भ्रम॥

हे तात! सुनिए, मैं जिस कारण से आया था, वह सब कार्य तो यहाँ आते ही पूरा हो गया। फिर आपके दर्शन भी प्राप्त हो गए। आपका परम पवित्र आश्रम देखकर ही मेरा मोह संदेह और अनेक प्रकार के भ्रम सब जाते रहे॥

क्रमशः

सिकुड़ते जनाधार के बीच अरमानों के पंख फैलाये बसपा

बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने जन्मदिन पर राजनैतिक धुंध पूरी साफ कर दी। बसपा अकेले चुनाव लड़ेगी, यह घोषणा करके मायावती ने उन लोगों की राह आसान कर दी है जो बसपा से गठबंधन की उम्मीद में एक कदम आगे तो दो कदम पीछे चलने को मजबूर हो रहे थे। मायावती के इस फैसले के निहितार्थ भी निकाले जायेंगे तो बसपा को बीजेपी की बी टीम बताने का सिलसिला भी तेज हो जायेगा। ऐसा इसलिए भी होगा क्योंकि बसपा के अकेले चुनाव लड़ने का सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। वहीं कांग्रेस का मायावती के इस फैसले से उत्तर प्रदेश में पैर पसारने का सपना टूट सकता है। कांग्रेस जानती है कि समाजवादी पार्टी के साथ 2017 के विधान सभा चुनाव में गठबंधन का उसे कोई फायदा नहीं मिला था, जिसके चलते लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को 2017 जैसा हश्र होता दिख रहा है। कांग्रेस के लिए बसपा की एकला चलो नीति इसलिए भी बड़ा झटका है क्योंकि राहुल गांधी लगातार इस बात की कोशिश में लगे थे कि बसपा भी इंडी गठबंधन का हिस्सा बन जाये। यदि ऐसा हो जाता तो निश्चित ही बीजेपी के लिए यूपी में राह मुश्किल हो सकती थी। वैसे मायावती ने चुनाव बाद गठबंधन की संभावनाओं को जिंदा रखा है। मायावती के पास करीब 18 फीसदी कोर वोटर हैं। मायावती जिस भी पार्टी से हाथ मिलाती हैं उसकी बल्ले-बल्ले हो जाती है, लेकिन दूसरी पार्टियों का वोट बसपा को ट्रांसफर नहीं मिलता है। इसी लिये मायावती गठबंधन को लेकर ज्यादा उत्साहित नहीं रहती है।

मायावती के सियासी सफर की बात कि जाये तो वह चार बार उत्तर प्रदेश की सीएम बन चुकी हैं, जिसमें से तीन बार वह बीजेपी के गठबंधन के साथ मुख्यमंत्री बनीं तो 2007 के विधान सभा चुनाव में मायावती को अपने दम पर बहुमत मिला और चौथी बार राज्य की सीएम वो अकेले अपनी पार्टी के दम पर बनीं, लेकिन इसके बाद से ही मायावती की ताकत घटने लगी। सबसे हालिया विधानसभा चुनाव में बसपा 403 विधासभा सीटों में से महज एक सीट जीत पायी। पार्टी का वोट शेयर 13 फीसदी था। थोड़ा और पीछे जाएं तो 2017 के विधानसभा चुनाव में बसपा को 403 में से 19 सीटें मिली थीं। वोट शेयर 22 फीसदी था।

बात लोकसभा चुनाव की करें तो साल 2019 का चुनाव बसपा ने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में लड़ा था, बसपा को इस चुनाव में 10 सीटें मिली थीं और सपा का खाता पांच सीटों पर सिमट गया था।

इस चुनाव के बाद सपा और बसपा का गठबंधन टूट गया। अखिलेश यादव ने कहा कि हमारा वोट तो बहन जी को ट्रांसफर हुआ लेकिन इसमें उनका नुकसान हो गया। वहीं मायावती ने भी चुनाव के बाद दिए गए बयान में कहा कि सपा के साथ जाकर उन्हें चुनाव में नुकसान हुआ। एक अनुमान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में दलितों में 65 उपजातियां हैं। इनमें सबसे बड़ी आबादी जाटव समुदाय की है। कुल दलित आबादी का 50 फीसदी हिस्सा जाटव हैं। मायावती खुद इसी समुदाय से आती हैं। मायावती का अब दलितों के बीच वो दम नहीं रह गया जो पहले हुआ करता था। उनकी पार्टी जाटवों की पार्टी बन कर रह गई है। दलितों का एक

अच्छा खासा तबका बीजेपी के साथ चला गया है और ये पिछले लोकसभा चुनाव में स्पष्ट दिखाई दिया। जाटव और रैदास जैसी जातियां ही अब मायावती के कोर वोटर रह गई हैं। वाल्मीकि, पासी जातियां अब मायावती के साथ नहीं हैं। अब मायावती की वो सियासी ताकत नहीं रही, जिसके लिए वो जानी जाती थीं, वो अब वोट काट तो सकती हैं लेकिन किंगमेकर नहीं बन सकतीं। मौजूदा हालात में तो कम से कम ऐसा ही लगता है।

बहरहाल, मायवती को सबसे अधिक सियासी नुकसान भारतीय जनता पार्टी ने पहुंचाया है। साल 2014 के चुनाव के बाद उत्तर प्रदेश में बीजेपी की छवि बहुत बदली है। राज्य की राजनीति को करीब से समझने वाले लोग मानते हैं कि बीजेपी की छवि जिस तरह पहले ब्राह्मण और बनियों की पार्टी की थी वो आज वैसी नहीं देखी जाती। अब बीजेपी का दायरा ऊंची जातियों की पार्टी से आगे बढ़ कर दलितों और पिछड़ों के बीच भी पहुंच गया है। दलितों में एक तबका बहन जी के सियासी रूप से कमजोर होने के बाद भाजपा की तरफ चला गया है। बीते कुछ सालों में मायावती ने अपने पार्टी की स्थिति बेहतर करने के लिए कुछ नहीं किया है। उनकी पार्टी राजस्थान, पंजाब और मध्य प्रदेश में एक बड़ी खिलाड़ी हुआ करती थी लेकिन इन राज्यों को तो भूल जाइए वो अपने गृह राज्य यूपी में ही सिमटती जा रही है। आने वाला लोकसभा चुनाव मायावती और उनकी पार्टी के लिए अस्तित्व बचाने की लड़ाई होगी. बीते चुनावों में पार्टी का गिरता प्रदर्शन तो कम से कम इसी ओर इशारा करता है. पार्टी के घटते वोट शेयर और सीटें तो मायावती के लिए चुनौती हैं ही, उनके लिए एक बड़ी चुनौती ये भी है कि उनके बड़े नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं या उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया या है। स्वामी प्रसाद मौर्या, लालाजी वर्मा और इंद्रजीत जैसे बड़े कद के नेता अब उनका साथ छोड़ चुके हैं। मौजूदा सांसद दानिश अली को बहनजी ने बाहर कर दिया है। ऐसे में अकेले पार्टी को जिंदा रखना मायावती के लिए आने वाले चुनाव में सबसे बड़ी चुनौती होगी। क्योंकि उसका मुकाबला सपा और कांग्रेस के साथ-साथ मोदी की 'सेना' से भी होगा,जो लगातार दलित वोटरों को लुभाने में लगा है।

बीजेपी लम्बे समय से दलित मतदाताओं को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पिछले दिनों हुए उपचुनाव में बसपा प्रत्याशी नहीं होने के बावजूद बीजेपी को सफलता नहीं मिली थी, जिससे बीजेपी को इस बात का अहसास अच्छी तरह से हो गया है कि 2024 की नैय्या दलित मतदाताओं को साधे बिना पार नहीं लगने वाली है। इसलिए बीजेपी का थिंकटैंक दलित बस्तियों में पैठ बनाने की योजना पर काम है। बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए दलित मतदाताओं में पैठ बनाने के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है.बीजेपी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र कनौजिया ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी संगठनात्मक जिलों में अध्यक्षों को दलित बस्तियों के बीच जाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बस्ती संपर्क एवं संवाद अभियान के जरिए बीजेपी की डबल इंजन की सरकार के कामों को बताया जा रहा है। बीजेपी कार्यकर्ता दलित बस्तियों में जाकर फीडबैक लेंगे। दलित बस्तियों से मिले फीडबैक को बीजेपी लोकसभा चुनाव में इस्तेमाल करेगी।

अजय कुमार, लखनऊ

पेट्रोल पर निर्भरता कम करने के उपाय

भारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन से संबंधित कानून में बदलाव से नाराज ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल से पेट्रोल के लिए विशेषकर निजी वाहन मालिकों में मची हाहाकार ने सभी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पेट्रोल पंपों से जैसे ही पेट्रोल के खत्म होने की जानकारी आम जनता में फैली तो सभी ने अपनी गाडियों का स्टीयरिंग भी पेट्रोल पंपों की तरफ घुमा लिया जिससे पेट्रोल की कमी का संकट कम होने की बजाय और गहरा गया। बेशक यह दौर लंबा नहीं चला, लेकिन फिर भी इस बात का एहसास सभी को हो गया कि पेट्रोल-डीजल अब हमारी जरूरत से ज्यादा हमारी एक कमजोरी बन चुका है। पेट्रोल-डीजल की इस कमी से हमारे रोजमर्रा के कार्यों पर भले ही कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव न पड़ा हो, लेकिन पेट्रोल की पूर्ति में आई इस कुछ ही घंटे की कमी ने हमारी मानसिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव डाला है।

पेट्रोल के बिना वाहन मालिकों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखने लग पड़ा था और हर ओर यह चिंता फैल गई कि पेट्रोल की पूर्ति अगर बहाल न हुई तो हमारी जीवन की गाड़ी पर भी ब्रेक लग जाएगा। यही कारण था कि पेट्रोल की कमी से चिंतित कुछ वाहन मालिकों ने न केवल अपनी गाडियों की टंकियों को भरवाने का जुगाड़ किया, बल्कि घरों में भी पेट्रोल का स्टॉक इकट्ठा करने की कोशिश की ताकि कुछ दिनों तक अपनी जरूरत को पूरा किया जा सके। वैसे यह चिंता काफी हद तक स्वाभाविक भी है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति के ऊपर ही हमारी बहुत सी दैनिक क्रियाएं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर करती हैं। पेट्रोल की पूर्ति में आई कमी से सडक़ों पर कम वाहन नजर आए, क्योंकि कोई भी वाहन मालिक अपनी गाड़ी को व्यर्थ घुमाकर अपने पेट्रोल के स्टॉक से छेड़छाड़ करने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं था। बसों के पहिए थमने से कुछ लोग पैदल चलते भी दिखाई दिए, जोकि अमूमन देखने को नहीं मिलता है। यहां पर इस बात पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि पेट्रोल की यह कमी हड़ताल की वजह से मानव निर्मित थी, लेकिन जरा सोचिए अगर कभी धरती ने अचानक प्राकृतिक ईंधन को उगलना बंद कर दिया तो हालात कैसे बन जाएंगे। जिंदगी की रफ्तार एकदम शून्य हो जाएगी। उस समय जो हालात पैदा होंगे, उनकी कल्पना मात्र से भी एक सिहरन पैदा हो जाती है। हालांकि यह भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है कि प्राकृतिक ईंधन कब तक इनसानी उपभोग के लिए उपलब्ध होता रहेगा, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि प्राकृतिक ईंधन के भंडारों का

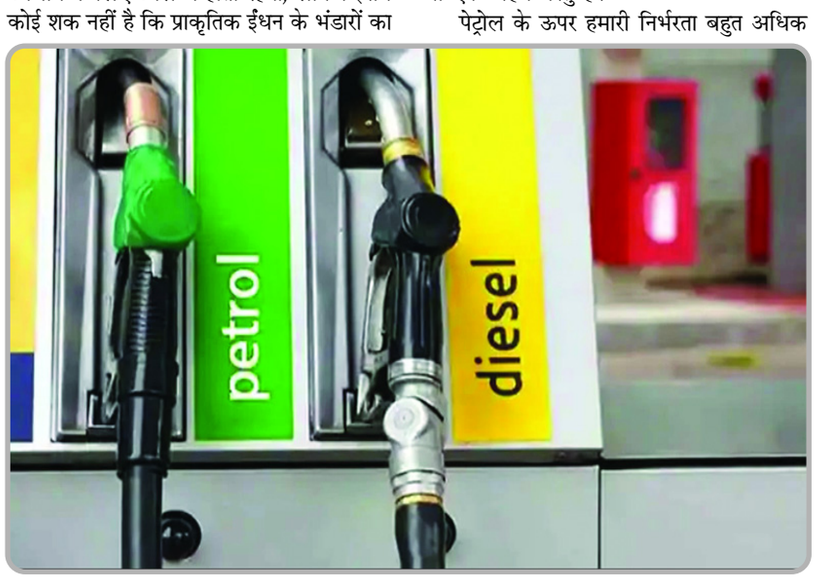

इनमें से सबसे बड़ा जो बदलाव अत्यंत आवश्यक है, वो है पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल करना। यह पहल यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर करे तो अच्छा है, लेकिन यह संभव नहीं लगता क्योंकि हमारी मानसिकता कानून के खूंटे से बंध कर कार्य करने की हो चुकी है। इसलिए इसमें सरकार को प्रयास करके इससे संबंधित नियम बनाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक गाड़ी के लिए प्रति माह पेट्रोल के प्रयोग की एक सीमा निर्धारित कर दी जाए।

दोहन जिस गति से इनसानी सहूलियत के लिए हो रहा है, उससे लगता है कि आने वाले वर्षों में हमें इसकी भारी किल्लत से जूझना पड़ सकता है, क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों का यह भंडार कदापि असीमित नहीं है। यह बात विभिन्न सरकारों के संज्ञान में भी रही है। इसीलिए ऊर्जा के अलग-अलग स्त्रोतों को विकसित करने की कई योजनाओं पर कई वर्ष पहले ही कार्य शुरू किया जा चुका है। हम अपने जीवन में बहुत सी वस्तुओं के उपभोग के आदी हो चुके हैं जिसमें से पेट्रोल भी एक अहम वस्तु है।

पेट्रोल के ऊपर हमारी निर्भरता बहुत अधिक है। इसका एक कारण यह भी है कि पेट्रोल के मुकाबले ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों के विकास में आशानुरूप प्रगति नहीं हुई है। पेट्रोल के सीमित भंडार को ध्यान में रखते हुए हमारी जीवन शैली में कुछ बदलाव किए जाने आवश्यक हैं। इनमें से सबसे बड़ा जो बदलाव अत्यंत आवश्यक है, वो है पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल करना। यह पहल यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर करे तो अच्छा है, लेकिन यह संभव नहीं लगता क्योंकि हमारी मानसिकता कानून के खूंटे से बंध कर कार्य करने की हो चुकी है। इसलिए इसमें सरकार को प्रयास करके इससे संबंधित नियम बनाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक गाड़ी के लिए प्रति माह पेट्रोल के प्रयोग की एक सीमा निर्धारित कर दी जाए। इस सीमा से अधिक पेट्रोल किसी भी सूरत में गाड़ी में न डाला जाए। इस केवल एक निर्णय से समाज के विभिन्न वर्गों को अनेक लाभ होने निश्चित हैं। इसमें से सबसे पहला लाभ यह होगा कि तेजी से समाप्त हो रहे हमारे प्राकृतिक ईंधन से संसाधनों पर कुछ रोक अवश्य लगेगी। अगर प्राकृतिक ईंधन समाप्त हो जाता है तो हमारी आने वाली पीढियां प्राकृतिक संसाधनों का केवल इतिहास पढने को मजबूर होंगी और यदि आज हम कुदरत के इस अनमोल तोहफे का प्रयोग संभल कर करते हैं, तो आने वाली पीढियां भी इसका लाभ ले पाएंगी। इसके अलावा पेट्रोल की खपत की सीमा निर्धारित करने से देश के नागरिक अपने कुछ काम, जिनके लिए आज गाड़ी का प्रयोग करते हैं, उनको पैदल चलकर करना चाहेंगे, क्योंकि ईंधन खपत की सीमा के निर्धारित हो जाने से वे ईंधन के बेहतरीन उपयोग के प्रति संवेदनशील रहेंगे, जिससे उनकी शारीरिक क्रिया होगी और शारीरिक क्रियाएं स्वास्थ्य लाभ के लिए सबसे उपयोगी साधन हैं।

इसके साथ-साथ ईंधन खपत की सीमा को निर्धारित करने से प्रदूषण, अनियंत्रित ट्रैफिक और ट्रैफिक जाम की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। इसके साथ-साथ सडक़ों के रखरखाव पर भी कम राशि व्यय होगी और सार्वजनिक यातायात के ढांचे को मजबूती प्रदान करके सरकार अपने राजस्व में वृद्धि कर सकती है। पेट्रोल की खपत की सीमा निर्धारित होने से बिजली से चलने वाली गाडियों और ऊर्जा के अन्य स्त्रोतों को प्रयोग में लाने की तरफ भी लोगों को आकर्षित किया जा सकेगा। एक मजबूत इच्छा शक्ति के साथ पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने से संबंधित निर्णय लिया जाना अत्यंत आवश्यक है।

-राकेश शर्मा
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

पौष शुक्ल- षष्ठी (विक्रम संवत् 2080)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
नेत्र पीड़ा, अज्ञात भय, मन बोझिल-बोझिल सा, डरा हुआ सा रहेगा। प्रेम,संतान की स्थिति काफी बेहतर है।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। मन, मस्तिष्क भी बहुत अच्छा नहीं रहेगा। यात्रा में भी कष्ट संभव है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
व्यापारिक उतार-चढ़ाव बना रहेगा। पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। स्वंय के स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें। प्रेम, संतान अच्छा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
मान-सम्मान पर ठेस पहुंच सकती है। भाग्य पर भरोसा करके आप अभी कोई कार्य नहीं कर सकते हैं। स्वास्थ्य मध्यम।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
यात्रा में कष्ट। धर्म-कर्म में अतिवादी न होइएगा। स्वास्थ्य ठीक-ठाक। प्रेम, संतान बढ़िया। व्यापार मध्यम रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
चोट-चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। थोड़ा बचकर पार करें।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
शत्रु उपद्रव करेंगे लेकिन उनका समन भी हो जाएगा। जीत आपकी होगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
मन डरा-डरा सा रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। बच्चों की सेहत को लेकर मन परेशान रहेगा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
घरेलु सुख बाधित रहेगा। घर में कलहकारी सृष्टि का सृजन रहेगा। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
किसी नए व्यापार की शुरुआत मत करिएगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनों का स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
जो भी धनार्जन हो रहा है उसे अभी इकट्ठा करें। कहीं रुपए पैसे लेने-देने का काम मत करिएगा। नुकसान हो जाएगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
शारीरिक स्थिति और मानसिक स्थिति में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। सामंजस्य बैठाकर रखें। प्रेम, संतान मध्यम। व्यापार भी मध्यम।

मोदी की गांरटी पर देश को भरोसाः धीरेन्द्र सिंह

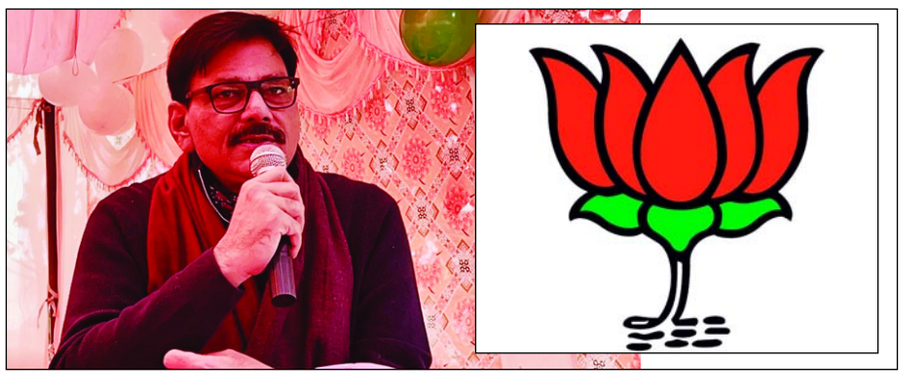

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कल गांव मेहंदीपुर खादर एवं मेहंदीपुर बांगर पहुंची। कार्यक्रम में जेवर विधानसभा क्षेत्र से विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह एवं डीएम मनीष कुमार वर्मा मौजूद रहे।

इस अवसर पर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यह सरकार पायदान पर खड़े अंतिम व्यक्ति की उन्नति कैसे हो उसकी चिंता कर रही है। आजादी के बाद पहली बार सरकार आपके द्वार पर खड़ी हुई है। पहले की सरकार ने ऐसा नहीं किया यह मोदी की गारंटी वाली गाड़ी आपकी समस्या को सुनने के लिए और उनका निराकरण करने के लिए आपके बीच में आई है। उज्जवला, आयुष्मान कार्ड, पेंशन योजना, यह एक बहुत बड़ा कार्य है। देश के अंदर हुआ है। इस अवसर पर मुख्यरूप से मंडल अध्यक्ष सुनील, ठाकुर रवि जिन्दल, सुशील शर्मा, विकास राणा, अरुण सिंह, आदर्श शर्मा, नीरज शर्मा, जसवंत, मीणा, गोपाल मीणा आदि लोग उपस्थित रहे।

54 यूनिट रक्तदान हुआ

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एम्प्लाइज एसोसिएशन नोएडा प्राधिकरण की ओर से इंदिरा गांधी कला केंद्र सेक्टर-6 में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर चाइल्ड पीजीआई नोएडा के सहयोग से किया गया।

कैंप का उद्घाटन मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा डॉ लोकेश एम द्वारा किया गया।

शिविर में प्राधिकरण के कर्मचारियों ने रक्तदान किया कुल 54 यूनिट रक्त दान किया गया।इस अवसर पर एसोसिएशन अध्यक्ष चौ राजकुमार सिंह महासचिव जितेंद्र कुमार उपाध्यक्ष धर्मेंद्र शर्मा सचिव नीरज राणा अमित कुमार कोषाध्यक्ष सुभाष चंद्र आदि मौजूद रहे।

रोटरी क्लब ने मकरसंक्राति पर किया खिचड़ी का वितरण

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ग्रीन ग्रेटर नोएडा द्वारा गत वर्षों की भांति कल मकर सक्रांति के पर्व पर सेक्टर ईटा-2 में स्थित झुग्गीयों में रह रहे मजदूरों को खिचड़ी के पैकेट वितरण किये गये व झुगियों में रह रहे मजदूरों के बच्चों को स्वेटर भी प्रदान किये गये। यह सब सामान प्राप्त कर मजदूर काफी खुश नजर आये।

इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष अतुल जैन, प्रवीन गर्ग, विनोद कसाना, के. के. शर्मा, अमित राठी, अमित गोयल, ऋषि अग्रवाल, अंकुर गर्ग, यतेंद्र गर्ग व अन्य रोटेरियन उपस्थित रहे।

पारस सीजन सोसायटी में हुई राम मंदिर की स्थापना

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-168 स्थित पारस सीजन सोसाइटी में अयोध्या के राम मंदिर जैसे प्रभु श्रीराम के मंदिर की स्थापना की गई है। मंदिर की स्थापना के बाद वहां श्रीराम की मूर्ति को स्थापित करने के बाद उसकी पूजा अर्चना भी की गई।

इस बारे में जानकारी देते हुए सेक्टर 168 पारस सीजन सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्री राम के मंदिर में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा से प्रेरित होकर सोसायटी के सभी लोगों ने यहां पर प्रभु श्री राम मंदिर की स्थापना की है। साथ ही उन्होंने बताया कि यहां के निवासियों की तरफ से हर रोज मंदिर में पूजा अर्चना की जा रही

है। 22 जनवरी तक रोजाना विधि विधान से यहां पर पूजा अर्चना की जाएगी। उन्होंने बताया कि यहां पर सुबह और शाम पूजा अर्चना देखकर ऐसा लगता है कि मानो सोसायटी का पूरा वातावरण ही राममय हो गया हो। सोसायटी वासी उत्तम राणा ने बताया कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूरे देश में भारी उत्साह है। उसी भक्ति में सोसायटी वासी भी रंगे हुए है।

सीईओ से मिले पदाधिकारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतीय किसान सभा के पदाधिकारी कल प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से मुलाकात की।

इस मौके पर किसान सभा के जिला अध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा ने कहा कि सीटू के जिला अध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा पर किए गए। हमले के आरोपियों पर के बयान दर्ज होने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी तरह हमले में हमलावरों के साथ सांठ गांठ करने वाले दरोगा के विरुद्ध भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

सीटू 17 जनवरी को जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करके धरना प्रदर्शन करेगी। किसान सभा सीटू के साथ प्रदर्शन में शामिल रहेगी।

प्रदर्शन कल

ग्रेटर नोएडा, सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा के ऊपर हुए जानलेवा हमले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर 17 जनवरी को डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन किया जायेगा। यह जानकारी सीटू नेता राम सागर ने दी है।

भाजपाईयों ने मंदिर की साफ-सफाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर आज भाजपा के जिला उपाध्यक्ष सत्येंद्र नागर ने ऊँची दनकौर स्थित के शिव मंदिर में स्वच्छता अभियान में सहभागिता कर श्रमदान किया तथा पूजा अर्चना कर जगत् के कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष भाजपा हरिदत्त शर्मा पूर्व मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह महामंत्री अमित नागर, राजेंद्र योगी सभासद अजीत चौहान संजय शर्मा प्रेम चंद शर्मा नवीन पण्डित महेश गौतम विशाल शर्मा कन्हैया लाल पंडित माम् चंद शर्मा मीडिया प्रभारी हरीश शर्मा, महेश फ़ौजी सहित बड़ी संख्या में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सेक्टर-116 स्थित भाजपा महानगर कार्यालय पर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष जयप्रकाश कुशवाह को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित करते जिलाध्यक्ष उमेश पहलवान तथा जिला उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति।

भाजपाईयों ने चलाया स्वच्छता अभियान

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में कल स्वच्छता अभियान हरिहरनाथ मंदिर पर चलाया गया।

इस मौके पर उन्होने कहा कि राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के से पूर्व संकल्प लिया गया है हर जगह स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा हम सभी लोग जनप्रतिनिधि जिला प्रशासन संगठन के लोग जनता के बीच में उपस्थित हुए हैं और तमाम जन कल्याणकारी योजनाएं जो सरकार के द्वारा चलाई

जा रही है उसको बताने का काम कर रहे हैं। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि जनता का शोषण पूर्ववर्ती सरकारों ने किया था उस शोषण से भाजपा सरकार ने मुक्ति दिलाई है। आज रामराज्य की स्थापना हो चुकी है। 22 जनवरी को प्रभु श्री राम का प्राण प्रतिष्ठा करने के उपरांत जनता अयोध्या में भगवान श्री राम के दर्शन कर सकेगी।

इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख अखिलेश्वर प्रताप सिंह, बबलू, जिला महामंत्री रमेश पांडेय, ज्ञानपुर अध्यक्ष प्रदीप सिंह, छत्रपति सिंह, रामेश्वर मिश्रा, गोवर्धन राय, जिला मीडिया प्रभारी आशुतोष पांडेय, वीरेंद्र पांडेय, शशिधर, संजय यादव, लक्ष्मी बिन्द, प्रभा शंकर तिवारी प्रधान आदि उपस्थित रहे।

पृष्ठ एक के शेष....

ब्रह्म मुहूर्त में...

को राम लला अपने मंदिर में प्रवेश करेंगे। अगले दिन यानी 18 जनवरी को भगवान स्वयं गर्भगृह में प्रवेश करेंगे। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होगी।

नए राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा के धार्मिक अनुष्ठान मंगलवार से शुरू हो गए। आज प्रायश्चित्त और कर्मकूटि पूजन अनुष्ठान किया गया। अयोध्या के सरयू तट पर विष्णु पूजा और गौ दान होगा। कल 17 जनवरी को राम लला की मूर्ति का परिसर प्रवेश होगा। 18 जनवरी को तीर्थ पूजन, जल यात्रा, जलाधिवास और गंधाधिवास, 19 जनवरी की सुबह औषधाधिवास, केसराधिवास, घृताधिवास और शाम को धान्याधिवास होगा। 20 जनवरी की सुबह शर्कराधिवास, फलाधिवास और शाम को पुष्पाधिवास, 21 जनवरी की सुबह मध्याधिवास और शाम को शय्याधिवास होगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा होगी। समारोह के अनुष्ठान की सभी प्रक्रियाओं का समन्वय, समर्थन और मार्गदर्शन करने वाले 121 आचार्य होंगे। श्री गणेशवर शास्त्री द्रविड़ सभी प्रक्रियाओं की निगरानी, समन्वय और दिशा-निर्देशन करेंगे. काशी के श्री लक्ष्मीकांत दीक्षित मुख्य आचार्य होंगे। 18 जनवरी को रामलला की श्यामवर्ण मूर्ति गर्भगृह में विराजित होगी. यह मूर्ति कर्नाटक के अरुण योगीराज ने बनाई है।

अयोध्या में आज भगवान राम की प्रतिमा का कर्मकुटी संस्कार होगा। मुख्य यजमान के रूप में राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा और उनकी पत्नी ऊषा मिश्रा अनुष्ठान में बैठे। वे आगे की 50 वैदिक प्रक्रिया के साक्षी बनेंगे। मंगलवार को मुख्य यजमान सरयू जल के साथ 10 प्रकार के स्नान करेंगे, जिसमें गाय के दूध, दही, घी, गोबर, गोमूत्र, भस्म, कुशोदक-कुश मिला हुआ जल पंचांग का स्नान शामिल है। गोबर से दो बार स्नान करेंगे। यजमान का खान-पान और वस्त्र सब अलग होंगे। इन्हें लेने के बाद व्रत शुरू हो जाएगा।

शर्मनाक : 95 साल के...

वहीं थाना जारचा के बिसाहडा गांव निवासी हिमांशु ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि बीते 12 जनवरी को उसकी मां घर में खाना बना रही थी। इस दौरान उसका भाई कौशल तथा उसकी पत्नी नेहा ने उसकी माँ से पैसे देने को कहा। उसकी मां ने जब रुपए देने से इनकार कर दिया तो कौशल तथा उसकी पत्नी ने मां के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। उसने जब इस बात का विरोध किया तो कौशल ने फोन करके बड़े भाई जीतपाल व रविंद्र को घर पर बुला लिया इसके बाद तीनों भाइयों ने मिलकर उसे कमरे में बंद कर जमकर पीटा और जान से मारने की धमकी दी। किसी तरह उसने भागकर तीनों भाइयों से अपनी जान बचाई। पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोहरे की मार :...

लेकिन रात और सुबह के वक्त चलने वाली शीतलहर के कारण लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हैं। कोहरे के कारण सड़क, रेल और हवाई यातायात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। दिल्ली और और गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंचने वाली ट्रेन दो से बारह घंटों की देरी से चल रही है।

थाना दादरी क्षेत्र के अंतर्गत बाईपास पर आज सुबह अंडरपास से उतरते ही गाड़ी आईसर कैंटर द्वारा लेफ्ट टर्न लिया गया जिसके पीछे एक ट्रक टकराया और उसके पीछे आईसर कैंटर रूक गया। घना कोहरा होने के कारण करीब 10 वाहन आपस में टकरा गये। इस हादसे में कैलाश प्रशांत पुत्र हरिकिशन निवासी 299/1 ए लक्ष्मी धाम हरदेव दबई बुलंदशहर, अपूर्व परमार पुत्र कैलाश पार्षद निवासी उपरोक्त, केशव पुत्र महेंद्र सिंह निवासी ग्राम गांधारी थाना औरंगाबाद जनपद बुलंदशहर व मोहन स्वरूप घायल हो गए जिन्हें उपचार के लिए सीएचसी दादरी में भर्ती कराया गया।

डिलीवरी ब्वॉय की...

अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

इसी थाना क्षेत्र के यथार्थ अस्पताल में दुर्घटना में घायल हुए बनवारी लाल की उपचार के दौरान मौत हो गई। बनवारी लाल अलीगढ़ में हुए सड़क हादसे में घायल हो गए थे। उनके परिजनों ने उपचार के लिए उन्हें यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रक में लदी 600 बोरी ...

ब्रांड की ट्रक में लोड करवा कर आगरा स्थित एसीसी वेयरहाउसिंग कारपोरेशन के लिए भेजा था। दो माह बीतने के पश्चात भी चालक ने निर्धारित स्थान पर सीमेंट की बोरियां नहीं पहुंचाई। निर्धारित समय पर सीमेंट ना पहुंचने पर उन्होंने जब ट्रक मालिक हिमांशु पाठक से पूछताछ की तो उन्होंने कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। कंपनी ने सीमेंट नहीं पहुंचने पर उन्हें 600 बोरी सीमेंट के 276000 तथा 5 हजार रूपए पेनल्टी शुल्क का क्लेम लेटर भेजा है।

थाना प्रभारी ने बताया कि ट्रक मालिक व चालक के खिलाफ अमानत में खयानत का मामला दर्ज कराया गया है। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

निबंधन विभाग को...

इसके सापेक्ष निबंधन विभाग तीन तिमाही के दौरान यानी दिसंबर 2023 तक मात्र 2662.47 करोड़ रूपये का राजस्व ही हासिल कर पाया जो निर्धारित लक्ष्य का 56.30 फीसदी है। अभी भी निर्धारित लक्ष्य का 2066.23 करोड़ रूपये का संग्रह होना बाकी है।

महानिरीक्षक निंबधन व आयुक्त (स्टांप) डा. रूपेश कुमार ने प्राधिकरणों तथा निबंधन विभाग के अधिकारियों को कहा कि अधिक से अधिक राजस्व के लिए सभी अपने-अपने स्तर से पूरा प्रयास करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति कर ली जाए।

महानिरीक्षक निबंधन व आयुक्त स्टांप उत्तर प्रदेश डॉ. रुपेश कुमार की अध्यक्षता में नोएडा विकास प्राधिकरण के मुख्य प्रशासनिक भवन सेक्टर-6 नोएडा में स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग गौतमबुद्धनगर, नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण, ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण तथा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिसमें अपर महानिरीक्षक निबंधन/अपर आयुक्त स्टांप उत्तर प्रदेश मनीन्दर कुमार सक्सेना, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/जिला निबंधक अतुल कुमार, सहायक महानिरीक्षक निबंधन/सहायक आयुक्त स्टांप प्रथम गौतमबुद्धनगर भोला शंकर वर्मा, सहायक महानिरीक्षक निबंधन/सहायक आयुक्त स्टांप द्वितीय गौतम बुद्ध नगर शशि भानू मिश्र, प्राधिकरणों के वरिष्ठ अधिकारी गण एवं समस्त उप निबंधक उपस्थित रहे।

'जन-जन तक...

इसके पूर्व भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष उमेश पहलवान ने प्रदेश उपाध्यक्ष तथा क्षेत्रीय सोशल मीडिया प्रमुख सचिन अबांवता का पुष्प् गुच्छ देकर भव्य स्वागत किया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री ओबीसी मोर्चा भगत भाटी ने किया ।

बैठक में जिला उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा रामकृष्ण यादव, मनोज प्रधान, उपाध्यक्ष जयप्रकाश प्रजापति, जिला महामंत्री धीर सिंह सैनी, जिला मंत्री सुघर आवाना, संदीप, मंडल अध्यक्ष सीतम भाटी , सुरेन्द्र, हेमंत, रमेश, आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

महिला व युवक ने की आत्महत्या

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर महिला व एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिले हैं जिस कारण आत्महत्या की वजह का पता नहीं चल पाया है।

मूल रूप से अलीगढ़ निवासी विजयपाल सिंह अपने परिजनों के साथ छिजारसी रह रहे हैं बीते शाम विजयपाल किसी कार्य से बाहर गए थे। कुछ समय बाद जब है वापस लौटे तो उनकी पत्नी सुनीता देवी फंदे पर लटकी हुई थी। उन्होंने सुनीता को फंदे से उतारा और नजदीक के अस्पताल लेकर पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-63 ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि परिजन भी सुनीता देवी द्वारा आत्महत्या किए जाने का कोई ठोस कारण नहीं बता पा रहे हैं।

वहीं थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव में कल्पना टूर ट्रेवल्स के ऑफिस में काम करने वाले युवक का शव फंदे पर लटका मिला। थाना प्रभारी ने बताया कि मूल रूप से सिकंदरा कानपुर देहात निवासी (26 वर्षीय) आदित्य छलेरा गांव स्थित कल्पना टूर ट्रेवल्स के दफ्तर में काम करता था। बीती शाम उसने ट्रेवल्स के दफ्तर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आदित्य के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

उत्तर मध्य रेलवे G20

ई-टेन्डर नं0: पीआरवाइजे-सिग-067-2023-24

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं. : 067	कार्य का विवरण	अनुमानित मूल्य 38399431.32
	प्रयागराज मंडल के छिंवकी कंसपुर गुगौली, विश्वनाथपुरी, चुर्क अगोरीखास एवं शक्तेशरगढ़ स्टेशन पर लगे हुये क्योसान मेक इलेक्ट्रानिक इन्टरलॉकिंग प्रबन्ध का तीन वर्ष के लिये समग्र (कम्प्रेहेन्सिव) अनुरक्षण अनुबन्ध।	धरोहर राशि 342000/-

निविदा प्रपत्र का मूल्य : 0.00, **कार्य समापन की अवधि : छत्तीस माह, निविदा खुलने की तिथि : 05.02.2024. 2. निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता** : निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **3. धरोहर की राशि जमा करना एवं उसका रूप** : निविदाओं को उपरोक्त बिड सिक्यूरिटी निविदा प्रपत्र के साथ ऑन लाइन इंटरनेट बैंकिंग या ऑनलाइन भुगतान गेटवे द्वारा की जायेगी। यदि निविदादाता धरोहर राशि उपरोक्त के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में जमा करते हैं तो उनका निविदा स्वीकार नहीं किया जायेगा।बिना उचित बिड सिक्यूरिटी निविदा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जायेगी और पूर्णतया अस्वीकृत कर दी जायेगी। **4. निविदा खुलने का समय तथा स्थान** : निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। **5. निविदा की वैधता** : निविदा खुलने के 60 दिन तक। **6. निविदा डीलिंग हेतु रेलवे के अधिकार** : रेलवे प्रशासन का किसी भी समय, बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित/संशोधित/निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। 86/24 (D)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @northcentralrailway @CPRONCR

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया। संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

यीडा के सहायक प्रबंधक को ठगा

नोएडा (चेतना मंच)। लोगों की जेब पर डाका डालने के लिए साइबर ठग नित नए-नए तरीके अपना रहे हैं। साइबर ठग ने यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक को कूपन पर इनाम निकलने का झांसा देकर 44100 रुपए का चूना लगा दिया। पीड़ित ने थाना बीटा-2 में अज्ञात साइबर तक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक रिंकू कुमार ने बताया कि बीते 6 जनवरी को उनके मोबाइल फोन पर किसी अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उक्त व्यक्ति ने बताया कि उनके द्वारा किसी मॉल में भरे गए कूपन पर उनका पुरस्कार निकला है। पुरस्कार लेने के लिए उन्हें कुछ जानकारियां देनी होगी। उक्त व्यक्ति ने उनसे फोन पर कुछ जानकारियां ली और फोन काट दिया। कुछ देर बाद उनके सैलरी अकाउंट से 44000 रूपये कट गए। बैंक से मैसेज आने पर उन्हें अपने साथ हुई ठगी की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने उक्त नंबर पर बात करने का प्रयास किया तो वह स्विच ऑफ मिला।

रिंकू कुमार के मुताबिक उन्होंने बैंक आफ इंडिया में फोन कर अपने खाते को सीज कराया। पुलिस का कहना है कि रिंकू कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए फोन नंबर तथा अकाउंट के आधार पर आरोपी की तलाश की जा रही है।

चोरी की सरिया के साथ 3 गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख पुलिस ने चोरी के सरिया व अवैध हथियार सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी निर्माणाधीन साईटों से सरिया व अन्य सामान चोरी करते थे।

थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। इस दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि जलपुरा की तरफ जाने वाले रोड पर तीन शातिर बदमाश खड़े हुए हैं उनके पास चोरी का सरिया व अवैध असलाह है। सूचना के आधार पर पुलिस ने लवकुश, मोहम्मद इंतजार उर्फ शाहरुख व दिनेश को दबोच लिया। तलाशी में इनके पास से तमंचा, कारतूस, चाकू व करीब 52 किलो चोरी का सरिया बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपियों ने बताया कि वह क्षेत्र में निर्माणाधीन साइटों से सरिया व अन्य सामान चोरी करने की घटनाओं को अंजाम देते हैं। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की कई घटना को अंजाम देना स्वीकार किया है।

सीज किए ट्रकों से सामान चुराते दबोचा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सेल टैक्स विभाग के सचल दल द्वारा सीज किए गए ट्रकों से सामान चोरी कर रहे एक चोर को सेल टैक्स कर्मियों ने मौके पर दबोच लिया। हालांकि पकड़े गए आरोपी के दो साथी मौके से फरार हो गए। सेल टैक्स कर्मियों ने पकड़े गए चोर को थाना सूरजपुर पुलिस के हवाले कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

राज्य कर की सचल दल यूनिट-4 की सहायक आयुक्त शिवानी अग्रवाल ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि सूरजपुर कस्बे स्थित राज्य कर भवन परिसर में जब्त किए गए ट्रक खड़े हुए थे। बीते 14 जनवरी की रात्रि को तीन लोग जब्त किए गए ट्रक से सामान चोरी कर रहे थे। राज्य कर भवन की सुरक्षा में तैनात आरक्षी गौरव चौधरी ने चोरी कर रहे एक आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया। जबकि इसके दो साथी फरार हो गए।

थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपी का नाम गुलजार पुत्र इशियाक अली निवासी जानी मेरठ है। आरोपी के फरार साथियों की तलाश की जा रही है।

मिलिंद देवड़ा ने एकनाथ शिंदे गुट को ही क्यों किया जॉइन, भाजपा से रहे दूर

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस के दिग्गज नेता और राहुल गांधी की टीम के मेंबर रहे मिलिंद देवड़ा ने रविवार को बड़ा फैसला ले लिया। कांग्रेस के साथ अपनी विरासत को खत्म करते हुए उन्होंने एकनाथ शिंदे गुट के नेतृत्व वाली शिवसेना को जॉइन कर लिया। इसे लेकर सवाल भी उठ रहे हैं कि आखिर उन्होंने एकनाथ शिंदे गुट को ही क्यों जॉइन किया। वह भी तब जबकि भाजपा राज्य और केंद्र में सबसे बड़ी पार्टी है, वहीं एकनाथ शिंदे गुट बंटी हुई शिवसेना का एक हिस्सा ही है। दरअसल इसके पीछे मिलिंद देवड़ा की एक रणनीति भी है। मिलिंद देवड़ा दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से चुनाव लड़ते रहे हैं। वह यहां से 2004 और 2009 में सांसद चुने गए थे।

इससे पहले उनके पिता मुरली देवड़ा भी इसी सीट से 4 बार सांसद बने थे। इस बार यह सीट उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट पर जाती दिख रही है। फिलहाल यहां से उद्धव गुट के अरविंद सावंत सांसद हैं, जो 2019 में मिलिंद देवड़ा को ही पराजित करके चुने गए थे। इस बार भी उद्धव गुट 23 सीटों पर दावा कर रहा है और मुंबई दक्षिण सीट को लेकर तो अड़ा हुआ है। उसका कहना है कि जहां से शिवसेना ने 2019 में जीत हासिल की थी, उन सीटों पर फिर से किस्मत आजमाएगी। दक्षिण मुंबई सीट

को लेकर कांग्रेस भी उद्धव गुट से ज्यादा टकराव करने के मूड में नहीं दिख रही थी। ऐसे में मिलिंद देवड़ा अपनी राह ही बदल ली। इधर एनडीए की सीट शेयरिंग में एकनाथ शिंदे गुट दक्षिण मुंबई सीट पर दावेदारी कर रहा है। माना जा रहा है कि भाजपा की ओर से उसे यह सीट दी जा सकती है। वहीं मिलिंद देवड़ा का यहां बड़ा जनाधार रहा है। ऐसी स्थिति में एकनाथ शिंदे गुट मिलिंद देवड़ा को उतारकर फायदा ले सकता है। महाराष्ट्र की राजनीति के जानकार मानते हैं कि इसी समीकरण के चलते मिलिंद देवड़ा ने अपनी नई सियासी पारी के लिए एकनाथ शिंदे गुट को चुना है। यही नहीं चर्चा तो यहां तक है कि महाराष्ट्र में भी कई दिग्गज कांग्रेस छोड़ सकते हैं।

एकनाथ शिंदे बोले- पिक्चर तो अभी बाकी है, यह ट्रेलर : सीएम एकनाथ शिंदे ने भी मिलिंद देवड़ा की एंट्री के मौके पर कहा कि यह तो ट्रेलर है। पूरी पिक्चर अभी बाकी है। यही नहीं कांग्रेस के ही एक नेता ने दावा किया कि पार्टी के मुंबई वर्किंग प्रेसिडेंट नसीम खान शिवसेना जॉइन कर सकते हैं। इसके अलावा वह कैबिनेट मंत्री भी बनाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि पिछले दिनों तो अशोक चव्हाण तक के लिए चर्चाएं शुरू हो गई थीं, लेकिन वह कांग्रेस छोड़ने की बात से लगातार इनकार कर रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि अगले कुछ दिनों में कौन सा नेता कहां जाता है।

लखनऊ से अयोध्या के लिए 19 से शुरू होगी हेलीकॉप्टर सेवा, पहले से करानी होगी बुकिंग

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ से अयोध्या के लिए हेलीकॉप्टर सेवा 19 जनवरी से शुरू की जाएगी। मैनपुरी में रविवार को प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने ये जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस सेवा के लिए लखनऊ में तीन अयोध्या में तीन कुल छह हेलीकॉप्टरों का इंतजाम किया गया है। 19 जनवरी से यह सेवा लखनऊ के रमाबाई मैदान से शुरू होगी। इन हेलीकॉप्टरों की क्षमता 8 से 18 यात्रियों को ले जाने की रहेगी। इसके लिए पहले से बुकिंग करानी होगी। 16 जनवरी की शाम तक बुकिंग शेड्यूल और किराए की दरें फाइनल हो जाएंगी। पर्यटन मंत्री ने बताया कि इस सेवा के जरिए 30 से 40 मिनट में लखनऊ से अयोध्या पहुंचा जा सकेगा। बता दें कि हेलीकॉप्टर सेवा का ऐलान पहले ही किया गया था, लेकिन तारीख और शेड्यूलिंग तय नहीं थी। उधर, भगवान राम के प्रति अटूट आस्था की डगर पर पैदल ही घर से निकले करीब 30 वर्षीय युवक प्रिंस कपिल करीब 750 कि.मी. की पदयात्रा पूरी करके रविवार को अयोध्या पहुंचे। अविवाहित कपिल रामलला का दर्शन करने के साथ 750 किलोमीटर का पैदल सफर पूरा करते हुए अयोध्या धाम पहुंचने की बहुत खुशी हो रही है।

1100 वर्ग फीट की फ्लोटिंग स्क्रीन पर दिखेगा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का नजारा, इस घाट पर लगाने की तैयारी

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का प्रसारण देश की सबसे बड़ी फ्लोटिंग स्क्रीन पर किया जाएगा। नव्य, दिव्य और आकर्षण अयोध्या के साथ श्रीराम जन्मभूमि पर बने दिव्य और भव्य राममंदिर का भी नजारा देखा जा सकेगा। इसके अलावा प्राण प्रतिष्ठा के बाद भी इस फ्लोटिंग स्क्रीन पर श्रद्धालु और अयोध्यावासी सांस्कृतिक, आध्यात्मिक विरासत के भी दर्शन कर सकेंगे। 1100 वर्ग फीट की इस फ्लोटिंग स्क्रीन का निर्माण चौधरी चरण सिंह घाट पर किया जा रहा है। इसके निर्माण में करीब 70 कारीगर दिन रात एक किए हुए हैं। इस फ्लोटिंग स्क्रीन को 19 जनवरी तक तैयार कर आरती घाट पर लगाया जाएगा। इस पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह और उससे जुड़े कार्यक्रम के साथ अयोध्या की विकास यात्रा को भी दिखाया जाएगा। अयोध्या नगर निगम ने अगस्त में इस समबन्ध में सेंचुरी हॉस्टिपटैलिटी मेगावर्स एसोसिएट के साथ एक समझौता ज्ञापन एमओयू पर हस्ताक्षर किए थे। फ्लोटिंग स्क्रीन लगाने के पीछे का मकसर देश और विदेश से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अयोध्या की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाना है। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले महंत गोविंद देव गिरि ने बताया- इस डर से हुआ तीन विग्रहों का निर्माण सेंचुरी हॉस्पिटैलिटी मेगावर्स एसोसिएट के प्रबंध निदेशक अक्षय आनंद ने बताया कि यह देश में अब तक बनी अपनी तरह की सबसे बड़ी फ्लोटिंग स्क्रीन होगी। स्क्रीन का साइज 1100 वर्ग फीट है। फ्लोटिंग स्क्रीन का निर्माण नवम्बर में शुरू हुआ था जो 19 जनवरी तक पूरा करने का लक्ष्य है। इस फ्लोटिंग स्क्रीन का निर्माण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मेड इन इंडिया योजना के तहत किया जा रहा है। फिलहाल इस फ्लोटिंग स्क्रीन को बायोडीजल संचालित किया जाएगा। लेकिन भविष्य में इसे सोलर से संचालित करने की योजना है।

मायावती के जन्मदिन पर मुख्यमंत्री योगी ने फोन कर पूछा हालचाल, अखिलेश ने भी दी बधाई

लखनऊ , एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती आज अपना 68 वां जन्मदिन मना रही हैं। इस मौके पर उन्हें प्रदेश और देश की तमाम बड़ी हस्तियों ने बधाई और शुभकामना संदेश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी मायावती से फोन पर बात कर उन्हें बधाई दी है। वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उन्हें बधाई दी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बसपा सुप्रीमो मायावती से फोन पर बात की। इस बातचीत में उन्होंने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी और कुशलक्षेम पूछा। सीएम योगी ने बसपा सुप्रीमो मायावती के दीर्घायु होने की कामना की। एक्स पर एक पोस्ट में मायावती को जन्मदिन की बधाई देते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा- बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई! ईश्वर से आपके लिए उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना है।%

वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी मायावती को जन्मदिन की बधाई दी। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा-उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री मायावती जी को जन्मदिन की शुभकामनाएं।

अमिताभ बच्चन ने राम मंदिर से 15 मिनट की दूरी पर अयोध्या में खरीदा प्लॉट

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड के लेजंडरी एक्टर अमिताभ बच्चन राम की नगरी अयोध्या में आलीशान घर बनवाना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने अभिनंदर लोढ़ा से सेवन स्टार टाउनशिप द सरयू में प्लॉट खरीदा है। अभिनंदन मुंबई बेस्ड डेवलपर द हाउस ऑफ अभिनंदन लोढ़ा के चेयरमैन हैं। यह जगह कितनी बड़ी और कितने की है, इस पर एचओएबीएल की तरफ से कोई कमेंट नहीं मिल सका। हालांकि सोर्सेज का कहना है कि अमिताभ बच्चन वहां 10,000 स्क्वैयर फीट का घर बनवाना चाहते हैं जिसकी कीमत 14.5 करोड़ होगी।

परंपरा और मॉडर्निटी की नगरी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में प्रधानमंत्री प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। उसी दिन द सरयू एन्क्लेव का लॉन्च होगा। बताया जा रहा है कि यह 51 एकड़ में फैला है। इस प्रोजेक्ट में इनवेस्टमेंट पर अमिताभ बच्चन ने हिंदुस्तान टाइम्स से कहा, मैं द हाउस ऑफ अभिनिंद लोढ़ा के साथ अयोध्या में द सरयू में घर बनाने के लिए उत्साहित हूं। इस शहर की मेरे दिल में खास जगह है। अयोध्या के अध्यात्म और संस्कृति ने एक इमोशनल

रिश्ता बनाया है जो कि भौगोलिक सीमाओं से परे है। बिग बी ने कहा कि अयोध्या में परंपरा और मॉडर्निटी एक साथ बसती है। अमिताभ बच्चन बोले, मैं इस ग्लोबल स्पिरिचुअल कैपिटल में अपना घर बनाने के लिए बेकरार हूं।

इलाहाबाद से 4 घंटे का रास्ता अमिताभ बच्चन पहले लखनऊ के पास काकोरी में जमीन खरीद चुके हैं। इलाहाबाद उनका जन्म स्थान है। नैशनल हाईवे 330 से इसकी अयोध्या तक की दूरी 4 घंटे ड्राइव की है। एचओएबीएल के चेयरमैन अभिनंदन लोढ़ा ने इसे कंपनी के लिए मील का पत्थर बताया। कहा कि द सरयू में अमिताभ बच्चन का पहले नागरिक के तौर पर स्वागत करके काफी खुशी है। यह जगह राम मंदिर से 15 मिनट की दूरी पर है। वहीं अयोध्या एयरपोर्ट से इसकी दूरी 30 मिनट की है।

बिग बी को अयोध्या के विकास पर भरोसा अभिनंदन ने कहा, हमारे प्रोजेक्ट में उनका इनवेस्टमेंट यह दर्शाता है कि इस शहर की इकोनॉमिक पोटेंशियल में उनका अटूट विश्वास है साथ ही वह इस आध्यात्मिक धरोहर में गहरी आस्था भी रखते हैं। अमिताभ बच्चन ने एन्क्लेव के प्लॉटेड डेवलपमेंट में इनवेस्ट किया है, जिसमें एक 5 स्टार होटल भी होगा। यह ब्रूकफील्ड ग्रुप के लीला पैलेसेज की पार्टनरशिप में होगा। ये प्रोजेक्ट मार्च 2028 तक पूरा होने की उम्मीद है।

घर-घर जाकर कारसेवकों को सम्मानित किया

जेवर (चेतना मंच)। विश्व हिन्दू परिषद व बजरंग दल जेवर के पदाधिकारियों ने जेवर से अयोध्या गये कार सेवकों को घर घर जाकर सम्मानित किया गया।

वर्ष-1992 में कारसेवकों की आवाज को बुलंद करने वाले जेवर क्षेत्र के हिन्दू वादी नेता लाला तेजपाल गर्ग के नेतृत्व में अयोध्या के लिए कारसेवकों का जत्था रवाना हुआ था। जिसमें मौहल्ला सलिलयान जेवर निवासी व तत्कालीन बजरंग दल जेवर के कार्यवाहक अध्यक्ष/महासचिव अशोक छौंकर ,बजरंग दल नगर अध्यक्ष चेतेन्द्र सिंह, विश्व हिन्दू परिषद के अध्यक्ष चन्द्रशेखर शर्मा वैध, धर्मपाल राय को विश्व हिन्दू परिषद के पूर्व अध्यक्ष वेद प्रकाश गर्ग, जिला उपाध्यक्ष गौरव अग्रवाल, नगर मंत्री प्रमोद मंगला, बजरंग दल नगर संयोजक विपिन शर्मा, विशाल, शिवम् ऐरन ने कार सेवकों के गले में भगवा पटका डालकर व अयोध्या में बनने जा रहे भगवान श्री राम के मंदिर का सुन्दर चित्र देकर सम्मानित किया।

प्रखर हिन्दू वादी नेता व कारसेवक डॉ रणजीत सिंह राघव को नगर पंचायत जेवर के पूर्व चेयरमैन ओमप्रकाश वर्मा आदि ने सम्मानित किया। उधर विहिप नेता गौरव अग्रवाल ने बताया की कारसेवकों का सम्मान समारोह का आयोजन बारह दिसंबर को प्रारम्भ किया था जो भगवान श्री राम की होने वाली प्राण प्रतिष्ठा तक चलेगा।

शनि मंदिर से निकाली भव्य शोभायात्रा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-14ए स्थित शनि मंदिर में आयोजित श्री राम कथा से पूर्व भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंड बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

शनि सेवा समिति के तत्वाधान में सोमवार को मंदिर परिसर से भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में शामिल लोगों ने भगवान श्रीराम के जयकारे लगाये। शोभा यात्रा सेक्टर-14ए, सेक्टर-15ए से डीएनडी होते हुए वापस मंदिर परिसर पहुंची जहां इसका समापन हुआ। शोभायात्रा के मंदिर परिसर पहुंचने के पश्चात कथा व्यास मनोज माधव शास्त्री ने श्री राम कथा का शुभारंभ किया।

शनि सेवा समिति के अध्यक्ष ठाकुर मानसिंह चौहान ने बताया कि अयोध्या में श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महापर्व के अवसर पर मंदिर परिसर में श्री राम कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। श्री राम कथा रोजाना एक बजे से प्रारंभ होकर सायं 5 बजे तक चलेगी। आगामी 22 जनवरी को कथा का समापन होगा।

समिति के मंत्री सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि 7 दिनों तक चलने वाली इस भव्य श्रीराम कथा में मनोज माधव शास्त्री भक्तों को श्री राम कथा का मर्म बताएंगे। श्री राम कथा के समापन अवसर पर शाम के समय अयोध्या की तर्ज पर शनि मंदिर प्रांगण में 22 हजार दीपक प्रज्वलित कर भव्य दीपावली मनाई जाएगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में शहर वासी उपस्थित रहेंगे।

मॉल में आउटलेट खुलवाने के नाम पर लाखों रूपये की ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। बिगलिप कंपनी द्वारा आउटलेट खुलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़िता ने इस संबंध में बिगलिप कंपनी के मालिक व उसके कर्मियों के खिलाफ थाना बिसरख में धोखाधड़ी से रुपए हड़पने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के नंबरदार प्लाजा में दक्षिण फूड आउटलेट चलाने वाली स्मृति कुमारी ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वर्ष 2022 में उसकी शॉप पर बिगलिप कंपनी के प्रतिनिधि अजय नागर और कुशाग्र नागर आए थे। इन लोगों ने उसे ग्रेटर नोएडा वेस्ट के ब्लू सफायर प्लाजा में बनने जा रहे फूड कोर्ट में जगह दिलाने का प्रस्ताव दिया। इसके बाद उन्होंने कंपनी के डायरेक्टर शैलेंद्र दीक्षित तथा सीएफओ कृतिका शुक्ला से उसकी मुलाकात कराई।

दोनों ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह 15 दिसंबर 2022 तक उसे आउटलेट दे देंगे। इसके लिए उन्होंने उसे 2 लाख रूपये डिपॉजिट, 1 लाख रूपये कंसलटेंसी और करीब 2 लाख रूपये इंटीरियर के नाम पर मांगे। शुरुआत में उन्होंने साढे तीन लाख रुपए दे दिए। काफी समय बीतने के बाद भी जब उनका आउटलेट नहीं खुला तो उन्होंने कंपनी प्रतिनिधियों से संपर्क किया। कंपनी प्रतिनिधियों ने बताया कि प्रोजेक्ट में किसी वजह से देरी हो रही है जिस कारण आउटलेट नहीं खुल पाया है। इसके बाद आरोपियों ने बरगलाकर उनसे 3 लाख रूपये और ले लिए। इस दौरान शैलेंद्र दीक्षित ने उन्हें पटियाला के एक माल का फोटो भेजा जिसमें एक बैनर पर दो-तीन ब्रांड के साथ उनके दक्षिण फूड आउटलेट का भी बैनर लगा हुआ था। काफी समय बीतने के बाद भी जब आउटलेट नहीं खुला तो उन्होंने शैलेन्द्र दीक्षित से अपने पैसे वापस मांगे। पीड़िता के मुताबिक आरोपियों ने पैसे वापस कसने के बजाए उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

बचन भाटी को बनाया सपा में प्रदेश सचिव

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम चिटेहरा निवासी बचन भाटी को समाजवादी पार्टी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ में प्रदेश सचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की सहमति से और प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल की संस्तुति से पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजपाल कश्यप ने की है।

बचन भाटी को प्रदेश सचिव बनने पर जिला गौतमबुद्ध नगर समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की है। अल्फा-2 स्थित उनके आवास पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने बचन भाटी का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं का कहना है कि बचन भाटी के प्रदेश सचिव बनने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछड़े वर्गों का संघर्ष मजबूत होगा।

प्रखर चतुर्वेदी ने कूच बिहार में बनाए 404 रन

अंडर-19 टूर्नामेंट में 400+ स्कोर करने वाले पहले खिलाड़ी, कर्नाटक ने जीता खिताब

शिवमोग्गा (एजेंसी)। कर्नाटक के बल्लेबाज प्रखर चतुर्वेदी ने कूच बिहार ट्रॉफी के फाइनल में मुंबई के खिलाफ नाबाद 404 रन की पारी खेली। वे इस अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में 400+ रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए है। शिवमोग्गा के केएससीए नेवले स्टेडियम में प्रखर की पारी की बदौलत मैच ड्रॉ रहा और कर्नाटक ने पहली पारी में 510 रन की बढ़त के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम की। कूच बिहार ट्रॉफी अंडर-19 खिलाड़ियों के लिए इंडिया का फर्स्ट क्लास डोमेस्टिक टूर्नामेंट है।

पारी के दौरान प्रखर ने 46 चौके लगाए - प्रखर ने कर्नाटक के लिए पारी की शुरुआत की और पारी घोषित करने तक नाबाद रहे। उन्होंने पारी में 638 गेंदों का सामना करते हुए 46 चौके और तीन छक्के लगाए। उनकी पारी के दम पर कर्नाटक ने अपनी पहली पारी घोषित करने से पहले 223 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 890 रनों का विशाल स्कोर बनाने में कामयाबी हासिल की।

राहुल द्रविड़ के बेटे समित ने 22 रन बनाए - मैच में भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने भी 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों पर 22 रन बनाए। समित ने गेंदबाजी करते हुए दो विकेट भी लिए। टीम के हर्षिल धर्मानी पारी के दूसरे शतकवीर थे, जिन्होंने 228 गेंदों पर 19 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 169 रन बनाए। प्रखर ने दूसरे विकेट के लिए उनके साथ 290 रन जोड़े।

कर्नाटक ने जीती ट्रॉफी -फाइनल में पहले फील्डिंग करने का फैसला करने के बाद, कर्नाटक बैकफुट पर था, क्योंकि सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे के 145 रनों की मदद से पहली पारी में मुंबई को 380 रन दिए थे। हांलाकि, जब प्रखर चतुर्वेदी मैदान पर उतरे तो कर्नाटक मजबूत स्थिति में आ गया। उन्होंने 404 रन बनाकर अपनी एक अलग पहचान बना ली। उनकी पारी के दम पर कर्नाटक ने पहली पारी में 510 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की और चौथे दिन पारी घोषित करने के तुरंत बाद दोनों टीमों ने ड्रॉ पर समझौता करने का फैसला किया। पहली पारी में बढ़त लेने के साथ ही कर्नाटक इस सीजन में कूच बिहार ट्रॉफी का चैंपियन बन गया।

द्रविड़ के दोनों बेटे प्रोफेशनल क्रिकेटर - द्रविड़ के 2 बेटे हैं और दोनों ही प्रोफेशनल क्रिकेट खेल रहे हैं। बड़े बेटे समित, जो इस साल की शुरुआत में 18 साल के हो गए, वीनू मांकड़ ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए खेले थे। दूसरी ओर, उनके छोटे बेटे अन्वय कर्नाटक अंडर-14 टीम के कप्तान हैं।

बीसीसीआई ने सिलेक्शन कमेटी के लिए आवेदन मांगा

एप्लिकेशन जमा करने की आखिरी तारीख 25 जनवरी, किसे रिप्लेस किया जाएगा कन्फर्म नहीं

नईदिल्ली (एजेंसी) । भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को मेंस सीनियर क्रिकेट टीम सिलेक्शन कमेटी के सदस्य के एक पद के लिए आवेदन मंगाए हैं। बीसीसीआई ने अपनी वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी है। इस आवेदन में अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाले मौजूदा पांच सदस्यीय पैनल में से किसे रिप्लेस किया जाएगा, यह नहीं बताया गया है। आवेदन भरने की आखिरी तारीख 25 जनवरी है। बीसीसीआई के नियम के अनुसार, बोर्ड हर जोन (ईस्ट, वेस्ट नार्थ, साउथ और सेंट्रल) से एक चयनकर्ता चुनता है, जिसमें सबसे अनुभवी सदस्य को पैनल का अध्यक्ष बनाया जाता है, जो अभी अजीत अगरकर हैं। किसी भी चयनकर्ता का संयुक्त कार्यकाल पांच साल (जूनियर और सीनियर पैनल को मिलाकर) से अधिक नहीं हो सकता है। चेतन शर्मा को फरवरी 2023 में एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद जुलाई में वेस्ट जोन से अगरकर को अध्यक्ष के रूप में शामिल किया गया था। फिलहाल अगरकर और सलिल अंकोला (वेस्ट), एस शरत (साउथ), एसएस दास (ईस्ट) और सुब्रोतो बनर्जी (सेंट्रल) चयन समिति में मौजूद हैं। यह संभव है कि बीसीसीआई समिति में नार्थ से किसी को रखना चाहेगा।

अगरकर सिलेक्शन कमेटी के चेयरमैन - पूर्व तेज गेंदबाज अजित अगरकर को जुलाई 2023 में टीम इंडिया की सिलेक्शन कमेटी का नया चेयरमैन बनाया गया था। बीसीसीआई ने लिखा था, अगरकर को टेस्ट मैचों में सीनियॉरिटी के आधार पर चीफ सिलेक्टर बनाया गया है। आवेदन करने के लिए जरूरी योग्यता 7 टेस्ट मैच खेले हो। 30 फर्स्ट क्लास मैच खेले हो। या 10 वनडे और 20 फर्स्ट क्लास मैच का अनुभव हो। आवेदन करने वाले खिलाड़ी के संन्यास को कम से कम पांच साल का समय बीत गया हो। सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रुपए सालाना मिलते हैं

राष्ट्रीय चयनकर्ता के पद के लिए आवेदन करने से अक्सर बड़े खिलाड़ी कतराते हैं, क्योंकि सैलरी कम होती है। बता दें कि सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष को एक करोड़ रुपए सालाना मिलते हैं, जबकि चार बाकी सदस्यों को 90 लाख रुपए सालाना दिए जाते हैं। चेतन शर्मा को फरवरी में देना पड़ा था इस्तीफा अगरकर ने 45 साल के पूर्व गेंदबाज ने पूर्व क्रिकेटर चेतन शर्मा की जगह ली थी। चेतन शर्मा को फरवरी 2023 में एक स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इस स्टिंग में वह भारतीय खिलाड़ियों और टीम चयन को लेकर गोपनीय जानकारी पर बात करते नजर आए थे।

टीम इंडिया के खिलाड़ी महाकाल की शरण में

रवि बिश्नोई, तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और जीतेश शर्मा भस्म आरती में हुए शामिल

उज्जैन (एजेंसी)। इंडियन क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों ने सोमवार सुबह महाकाल के दर्शन किए। तड़के 2 बजे क्रिकेटर रवि बिश्नोई, तिलक वर्मा, वॉशिंगटन सुंदर और जीतेश शर्मा महाकाल मंदिर पहुंचे। सभी ने नंदी हॉल में बैठकर भगवान महाकाल की आरती की। रविवार को इंदौर में भारत और अफगानिस्तान के बीच मैच खेला गया था। टीम को मिली जीत के बाद भारतीय टीम के चारों खिलाड़ी उज्जैन पहुंचे। करीब 2 घंटे तक भस्म आरती में शामिल होने के बाद सभी इंदौर के लिए रवाना हो गए।

मैदान में घुसा फैन, विराट को गले लगाया

इंदौर (एजेंसी)। भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा टी-20 मुकाबला 6 विकेट से जीता। टीम ने इंदौर के होलकर स्टेडियम में 173 रन का टारगेट 15.4 ओवर में 4 विकेट पर हासिल कर लिया। अफगानिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए पूरे 20 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 172 रन बनाए थे। मुकाबले के दौरान एक फैन मैदान में घुस गया और विराट को गले लगा लिया। लगातार सीरीज के दूसरे मुकाबले में कप्तान रोहित जीरो पर आउट हुए। वहीं, नवीन उल हक ने विराट कोहली का विकेट लिया।

विराट से मिलने के लिए फैन ने सिक्योरिटी तोड़ी - अफगानिस्तान की पारी के 18वें ओवर के दौरान एक युवक सिक्योरिटी तोड़कर विराट कोहली से मिलने पहुंचा। उन्होंने विराट को गले लगा लिया, उस वक्त स्टार बल्लेबाज मैदान पर फील्डिंग कर रहे थे। बाद में युवक को हिरासत में ले लिया गया। युवक विराट कोहली का बहुत बड़ा फैन लग रहा था और खिलाड़ी से मिलने की इच्छा से फेंस पर चढ़कर मैदान में घुस गया।

जीतने के बाद रोहित बोले 2007 में डैब्यू के बाद मैंने अब तक हर पल को जिया है - इंदौर टी20 जीतने के साथ ही रोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा टी20 मैच जीतने का महेंद्र सिंह धोनी का रिकॉर्ड बराबर कर लिया। रोहित भले ही मोहाली और इंदौर टी20 मुकाबले में बल्ले से कुछ नहीं कर पाए लेकिन वह अपनी टीम को जीत दिलाने में सफल रहे। रोहित शर्मा ने मैच जीतने के बाद कहा कि जीत की खुशी तो है ही। 2007 से ही इस यात्रा के दौरान मैंने हर पल का लुत्फ उठाया है। जिस तरह का प्रदर्शन हमारे खिलाड़ियों ने किया वह गौरवान्वित करने वाला है। पिछले दोनों मुक़ाबलों में हमने हर पहलू में अच्छा किया है। यशस्वी ने सिर्फ टी20 में ही नहीं बल्कि टेस्ट में भी यह साबित किया है कि वह क्या कर सकते हैं। सिर्फ टैलेंट ही नहीं बल्कि उनका शॉट सेलेक्शन भी बेहतरीन है। दुबे ने प्रभावित किया। ख़ास तौर पर जिस तरह वह स्पिनर्स पर आक्रमण करते हैं वह काबिल ए तारीफ़ है। बता दें कि रोहित शर्मा ने इंदौर टी20 के साथ ही कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए। वह बतौर कप्तान सबसे ज्यादा 41 टी20 मुकाबले जीतकर महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की बराबरी कर चुके हैं। आगामी मुकाबला जीतते ही वह धोनी को पीछे छोड़ देंगे। रोहित 150 टी20 मुकाबले खेलने वाले पहले प्लेयर हैं। इसके अलावा टी20 में रोहित के नाम 12 बार 0 पर आऊट होने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

एंडी मरे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 से बाहर

पहले राउंड में अर्जेंटीना के टॉमस ने सीधे सेटों में हराया ; मेदवेदेव दूसरे दौर में पहुंचे

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के स्टार टेनिस एंडी मरे ऑस्ट्रेलियन ओपन 2024 के पहले राउंड में हारकर बाहर हो गए हैं। उन्हें सोमवार को टूर्नामेंट के फर्स्ट राउंड में अर्जेंटीना के 24 साल के टेनिस खिलाड़ी टॉमस मार्टिन ने सीधे सेटों में हराया। वहीं वर्ल्ड के तीसरे नंबर के खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव जीतकर दूसरे दौर में पहुंच गए हैं। शो कोर्ट एरेना में मार्टिन ने तीन बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे को 6-4, 6-2, 6-2 से हराकर सीजन के पहले ग्रैंड स्लैम के दूसरे दौर में प्रवेश किया। अगले दौर में मार्टिन का सामना फ्रांस के गेल मोनफिल्स से होगा। मोनफिल्स ने पहले राउंड में यानिक हनफमैन को 6-4, 6-3, 7-5 से हराया।मार्टिन ने तीन बार ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे को 6-4, 6-2, 6-2 से हराया।

मेदवेदेव ने एटमाने को हराया - मेंस कैटेगरी में तीसरी सीड रूस के मेदवेदेव ने अपने प्रतिद्वंदी फ्रांस के टेरेंस एटमाने के मैच के बीच से रिटायर हो जाने की वजह से दूसरे दौर में जगह बनाई। जब 22 साल के एटमाने ने हटने का फैसला किया तब मेदवेदेव 5-7, 6-2, 6-4, 1-0 से आगे चल रहे थे। अगले दौर में मेदवेदेव का सामना फिनलैंड के एमिल रुसुवुओरी से होगा।मेदवेदेव अगले दौर में फिनलैंड के एमिल रुसुवुओरी से भिड़ेंगे।

सिटसिपास ने बर्ग्स को मात दी - पिछले साल फाइनल में नोवाक जोकोविच से हारने वाले स्टेफानोस सिटसिपास ने बेल्जियम के जिजौ बर्ग्स को 5-7, 6-1, 6-1, 6-3 से हराया। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2014 के चैंपियन और तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका पहले राउंड में हारकर बाहर हो गए। उन्हें एड्रियन मन्नारिनो ने 6-4, 3-6, 5-7, 6-3, 6-0 से हराया।सिटसिपास ने बेल्जियम के जिजौ बर्ग्स को 5-7, 6-1, 6-1, 6-3 से मात दी।

साल का पहला ग्रैंड स्लैम है ऑस्ट्रेलिया ओपन - टेनिस में 4 ग्रैंड स्लैम होते हैं। चारों हर साल आयोजित होते हैं, इसकी शुरुआत जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन से होती है। मई और जून में फ्रेंच ओपन होता है। जुलाई में विम्बलडन और अगस्त-सितंबर में स ओपन होता है। यूएस ओपन साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम होता है।

481.2 करोड़ है प्राइज मनी - इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन की कुल प्राइज मनी 481.2 करोड़ रुपए है। पिछले साल के मुकाबले इस साल प्राइज मनी में 13 फीसदी का इजाफा हुआ। मेंस और विमेंस सिंगल्स के विनर को करीब 17.50 करोड़ रुपए मिलेंगे। टूर्नामेंट में सभी कैटेगरी के लिए हर स्टेज पर अलग-अलग प्राइज मनी है।

डीपफेक का शिकार बने सचिन तेंदुलकर

फर्जी वीडियो वायरल होने के बाद लोगों को किया सतर्क

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने उस वीडियो को फर्जी बताया है जिसमें उन्हें और उनकी बेटी सारा को एक ऐप इस्तेमाल कर आसानी से पैसा कमाने के लिए कहा गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल वीडियो में पृष्ठभूमि में तेंदुलकर को एक अलग व्यक्ति की आवाज के साथ दिखाया गया है। क्लिप में कहा गया कि तेंदुलकर की बेटी एक खास गेम खेलती है जिससे उन्हें पैसे कमाने में मदद मिलती है। क्लिप सामने आने के बाद तेंदुलकर ने सफाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट डाला है।

महान क्रिकेटर ने कहा कि वह टेक्नोलॉजी के बड़े पैमाने पर दुरुपयोग को देखकर परेशान थे। उन्होंने गलत सूचना और डीपफेक के प्रसार को रोकने की भी अपील की और लोगों से अधिक सतर्क और सावधान रहने को भी कहा। तेंदुलकर ने कहा, ये वीडियो फर्जी हैं। टेक्नोलॉजी का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग देखना परेशान करने वाला है। सभी से बड़ी संख्या में इस तरह के वीडियो, विज्ञापन और ऐप्स की रिपोर्ट करने का अनुरोध करें। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को शिकायतों के प्रति सतर्क और प्रतिक्रियाशील रहने की जरूरत है। गलत सूचना और डीपफेक के प्रसार को रोकने के लिए उनकी ओर से उचित कार्रवाई महत्वपूर्ण है। तेंदुलकर ने अपने पोस्ट में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, केंद्रीय राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर और महाराष्ट्र साइबर क्राइम को भी टैग किया। डीपफेक, 'डीप लर्निंग' और 'फेक' का एक संयोजन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके बनाई गई हाइपर-यथार्थवादी वीडियो या ऑडियो रिकॉर्डिंग हैं।

पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह ने पीएम मोदी को दी बधाई

राम लला की प्राण प्रतिष्ठा देशवासियों के लिए ऐतिहासिक दिन

जालंधर (एजेंसी) । पूर्व क्रिकेटर व आम आदमी पार्टी के पंजाब से राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और देशवासियों को अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की शुभकामनाएं दी हैं। सांसद हरभजन सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो को शेयर किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें राम लला से मुलाकात का इंतजार है।

वीडियो में सांसद हरभजन ने कहा कि अब कुछ ही दिन बाकी बचे हैं। जब उनकी भी राम लला के साथ सीधी-साक्षात मुलाकात होगी। हम सब भारत वासियों के लिए ये बहुत बड़ा दिन है। सभी राम भक्तों को मेरा प्रणाम। 22 जनवरी को हम सभी के राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा होनी है। आपकी तरह मैं भी 22 जनवरी का इंतजार कर रहा हूं। ये एक ऐतिहासिक दिन है और पूरे विश्व का सपना पूरा होने जा रहा है। पूरे भारत वासियों में खुशी की लहर है।

पहली बधाई प्रधानमंत्री को - सांसद हरभजन सिंह ने बधाई संदेश में पहली बधाई प्रधानमंत्री को दी। उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहली बधाई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देना चाहता हूं और आप सभी को बहुत शुभकामनाएं। ये एक ऐसा मंदिर बनने जा रहा है, जहां बहुत सारे लोग आएंगे और श्रीराम के दर्शन करके निहाल होकर जाएंगे। भगवान राम हम सब पर कृपा बनाए रखें।

प्रधानमंत्री कर चुके हैं देशभर में दीये जलाने की अपील - अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। कार्यक्रम के लिए देशभर में उत्साह है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 जनवरी को देशवासियों से दीये जलाने की अपील कर चुके हैं। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देश के हर गांव में लाइव (सीधा प्रसारण) दिखाया जाएगा। आजादी के बाद देश में सबसे बड़ा कार्यक्रम होने जा रहा है।

सट्टेबाजी डेटा संग्रह के लिए एफआईएच की नई डील पर सवाल खड़े हुए

रांची, एजेंसी। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) द्वारा हाल ही में स्प्रिंग मीडिया के साथ साझेदारी करके प्रशंसकों को एक सट्टेबाजी पैकेज की पेशकश करने का निर्णय, जिसमें चार साल के चक्र में 1,300 मैच शामिल हैं, ने चिंताओं के साथ एक आशंका का पिटारा खोल दिया है। एफआईएच ने एक बयान में बताया, अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि उसने प्रशंसकों को एक सट्टेबाजी पैकेज की पेशकश करने के लिए स्प्रिंग मीडिया के साथ साझेदारी की है, जिसमें सभी एफआईएच इवेंट शामिल हैं, जो चार साल के चक्र में 1,300 से अधिक मैचों का प्रतिनिधित्व करते हैं। नया समझौता पेरिस 2024 के लिए एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची और वालेंसिया, स्पेन में एक साथ आयोजित होने के साथ प्रभावी हुआ। हालाँकि अधिकांश यूरोपीय देशों, अमेरिका और ओसनिया में सट्टेबाजी वैध है, भारत, पाकिस्तान, मलेशिया और सभी मुस्लिम देशों में यह अवैध है। एफआईएच विज्ञप्ति में कहा गया है, सट्टेबाजी पैकेज स्प्रिंग मीडिया के हॉकी पोर्टफोलियो में नवीनतम अतिरिक्त है। एजेंसी ने हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई शीर्ष स्तरीय हॉकीवन लीग के साथ साझेदारी की है, जो अपने 2023 संस्करण के मीडिया अधिकारों को राष्ट्रीय सीमाओं के बाहर कई प्रमुख बाजारों में वितरित कर रही है। 2022 से, अंतर्राष्ट्रीय पूर्ण -सर्विस एजेंसी ने वियाप्ले नीदरलैंड्स की ओर से होस्ट ब्रॉडकास्टर के रूप में भी काम किया है, जो

राष्ट्रीय होफडक्लास के मैचों को कवर करता है।

इस कदम को एफआईएच के कानूनी सट्टेबाजी में शामिल होने के रूप में देखा जा रहा है, जो कि अधिकांश शीर्ष अंतरराष्ट्रीय महासंघ नहीं करते हैं, इसे भारत जैसे देशों में भी संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है जहां सट्टेबाजी अवैध है और केवल घुड़दौड़ में ही इसकी अनुमति है।

हालाँकि, एफआईएच ने रविवार को स्पष्ट किया कि स्प्रिंग मीडिया के साथ सौदा केवल दुनिया भर की सभी एफआईएच प्रतियोगिताओं से विश्व स्तर पर सट्टेबाजी डेटा एकत्र करने और वितरित करने से संबंधित है और न तो एफआईएच और न ही उसका भागीदार स्प्रिंग मीडिया एक सट्टेबाज की तरह काम करेगा और सट्टेबाजी का संचालन करेगा। एफआईएच ने स्पष्ट किया कि नया सौदा स्पोर्टरडार के साथ उसके पिछले अनुबंध से बहुत अलग नहीं है, जो कुछ महीने पहले समाप्त हो गया था। स्पोर्टरडार के साथ समझौते की तरह, यह सौदा भी विश्व स्तर पर सट्टेबाजी डेटा एकत्र करने और वितरित करने से संबंधित होगा और इसमें विपणन अधिकारों का वितरण भी शामिल होगा। एफआईएच ने रविवार को स्पष्ट किया कि यह सौदा अतिरिक्त राजस्व उत्पन्न करके अपने वित्त को बढ़ाने के लिए किया गया है। एफआईएच के जिस प्रवक्ता से आईएएनएस ने रविवार को यहां बात की, उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि सट्टेबाजी और किसी अन्य सट्टेबाजी से जुड़ी गतिविधियों के लिए डेटा एकत्र करने में उसकी भागीदारी को लेकर सदस्यों के साथ किस तरह की परामर्श प्रक्रिया चल रही है, जिसमें उसका भागीदार शामिल है।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-1 से शानदार जीत दर्ज की

रांची (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को यहां झारखंड स्थित रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में जारी एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर-2024 के अपने दूसरे पूल-बी मैच में न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज कर ली। भारत के लिए संगीता कुमारी, उदिता और ब्यूटी डुंगडुंग ने गोल किए जबकि न्यूजीलैंड के लिए एकमात्र गोल मेगन हल ने किया। अपने पहले मैच में शनिवार को अमेरिका के खिलाफ 0-1 की निराशाजनक हार के बाद भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच के शुरुआती मिनट में गोल करके शानदार शुरुआत की।

नेहा ने सर्कल में सलीमा टेटे के लिए शॉट सेट किया और सिमडेगा की प्रतिभाशाली खिलाड़ी संगीता कुमारी ने इसे शानदार फिनिशिंग टच दे दिया। हालांकि अगले ही मिनट में न्यूजीलैंड को मैच का पहला पेनल्टी कॉर्नर मिल गया, लेकिन टीम इसे गोल में तब्दील नहीं कर सकी। इस बीच, भारत ने धैर्यपूर्वक अपने खेल को आगे बढ़ाया और न्यूजीलैंड की डिफेंस को कमजोर कर दिया। दोनों टीमों को अगले मिनटों में फिर पेनल्टी कॉर्नर मिला। लेकिन इस बार न्यूजीलैंड को सफलता मिली और मेगन हल ने 9वें मिनट में गोल करके न्यूजीलैंड को मुकाबले में बराबरी दिला दी। इसके 4 मिनट बाद ही लालरेमसियामी ने सर्कल में अच्छा प्रदर्शन करके भारत को फिर से पेनल्टी कॉर्नर दिला दिया। इस बार बर्थडे गर्ल उदिता ने एक तेज-तरर शॉट के साथ इस पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया।

भारत ने पहले क्वार्टर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और 14वें मिनट में अपनी बढ़त 3-1 कर ली, जब झारखंड की दो खिलाड़ियों- सलीमा की मदद से ब्यूटी डुंगडुंग ने मेजबान टीम के लिए तीसरा गोल करने का काम किया। 3-1 की शानदार बढ़त ने भारत को दूसरे क्वार्टर में आरामदायक स्थिति में ला दिया। हालांकि इस क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ और पहले 15 मिनट की तेज गति के बाद टीम की स्पीड थोड़ी धीमी हो गई। लेकिन ब्यूटी, सलीमा और दीपिका ने जोरदार शानदार दिखाकर खचाखच भरे घरेलू दर्शकों को सीटों पर बैठने के लिए मजबूर कर दिया।

न्यूजीलैंड की टीम फिर मुकाबले में नई रणनीति और जोश के साथ उतरी। कीवी टीम को इस क्वार्टर में कुछ पेनल्टी कॉर्नर जरूर मिले,वे भारत की डिफेंस में सेंध नहीं लगा पाई। भारतीय कप्तान सविता ने भी पेनल्टी कॉर्नर पर न्यूजीलैंड को स्कोर करने से रोके रखा और कुछ शानदार बचाव किए। इसके बाद निशा भी शानदार खेल दिखाया। इसके बाद भारत ने भी अगले मिनटों में कुछ मौके बनाए लेकिन टीम इसे गोल में नहीं बदल सकी। भारत ने अपने मजबूत डिफेंस के दम 3-1 की बढ़त को बनाए रखा।

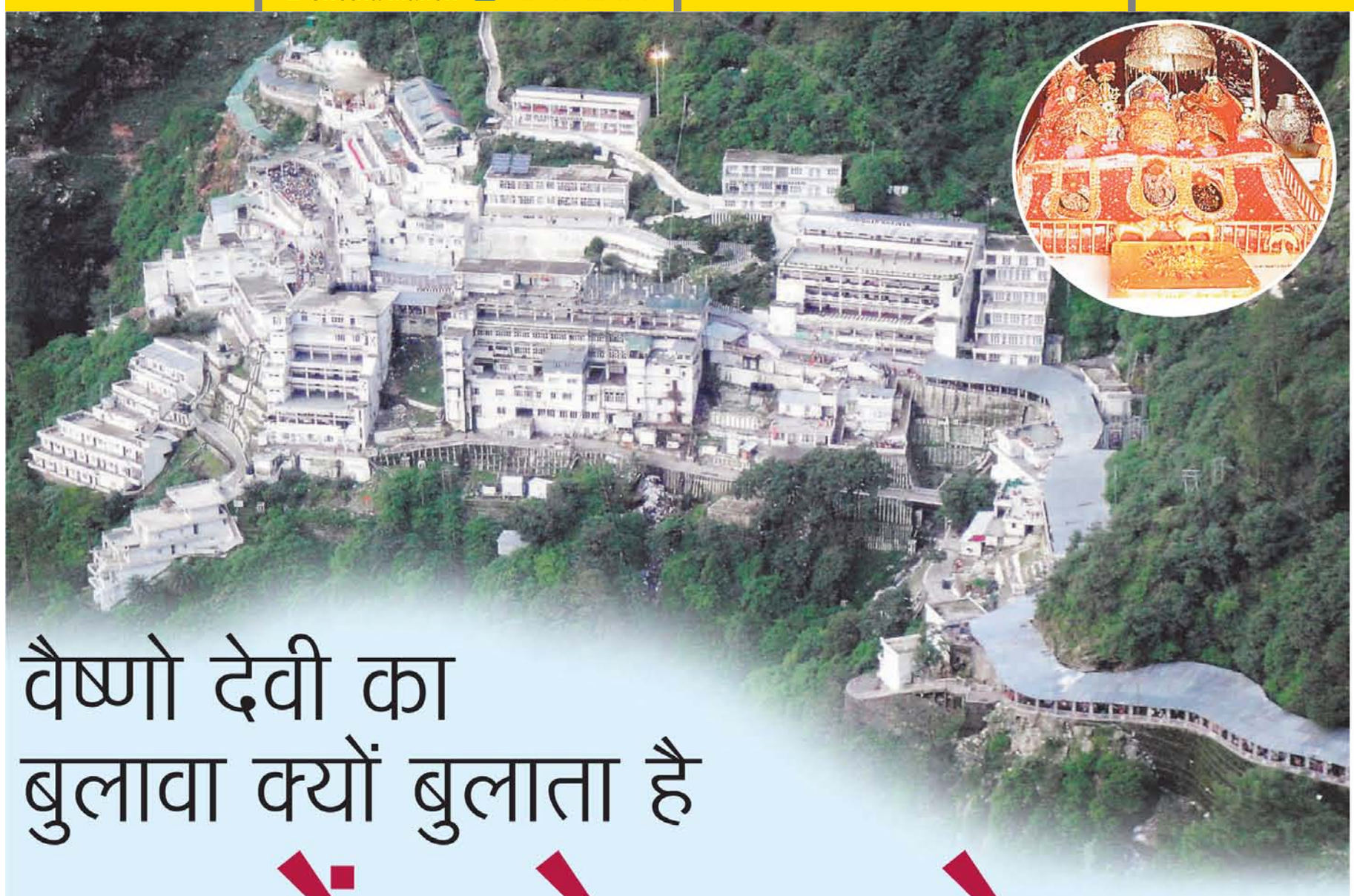

वैष्णो देवी का बुलावा क्यों बुलाता है भक्तों को अपने द्वार

पवित्र भारत भूमि का कण-कण देवी-देवताओं के चरणरज से पवित्र है इसलिए भारत में हर जगह तीर्थ है, परन्तु कुछ तीर्थ ऐसे हैं जो भारत ही नहीं पूरे विश्व की धर्म प्राण जनता को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। इन तीर्थों के दर्शन हर वर्ष लाखों स्त्री-पुरुष करते हैं और अपना जीवन सफल बनाते हुए अपनी मनोकामनाओं का मनोवांछित फल पाते हैं। इनमें से ही एक तीर्थ है जम्मू के पास स्थित माता वैष्णो देवी का दरबार। यहां महालक्ष्मी, महासरस्वती और महाकाली तीन भव्य पिण्डियों के रूप में विराजमान हैं।

चाहे गर्मी हो, सर्दी हो या चाहे बरसात हो। माता वैष्णो देवी के दरबार में चैबीसों घण्टे, 365 दिन हर समय ही भक्तों का मेला लगा रहता है और खासकर नवरात्रों के समय तो भक्तों की भीड़ इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि इस दौरान मां के दर्शन करने के लिए भक्तों को तीन से चार दिन तक का इंतजार भी करना पड़ता है। यहां आस्था से लबरेज धर्मप्राण जनता ही नहीं, बल्कि सभी आयु वर्गों के लोग बच्चे, बूढ़े, जवान, नवविवाहित युगल, माता के दरबार में दर्शन करने आते हैं। आखिर ऐसा क्या आकर्षण है मां के इस मंदिर में? सम्पूर्ण भारत में मां के मंदिर तो और भी कई जगह हैं पर मां के इस मंदिर में इतनी रंगत क्यों? इसका कारण है इस मंदिर की भौगोलिक स्थिति का भारतीय वास्तुशास्त्र एवं चीनी वास्तुशास्त्र फेंगशुई के सिद्धान्त के अनुरूप होना।

भारतीय वास्तुशास्त्र के अनुसार पूर्व दिशा में ऊंचाई होना और पश्चिम दिशा में ढलान व पानी का स्रोत होना अच्छा नहीं माना जाता परन्तु देखने में आया है कि ज्यादातर वो स्थान जो धार्मिक कारणों से प्रसिद्ध हैं, चाहे वह किसी भी धर्म से सम्बन्धित हों, उन स्थानों की भौगोलिक स्थिति में काफी समानताएं देखने को मिलती हैं। ऐसे स्थानों पर पूर्व की तुलना में पश्चिम में ढलान होती है और दक्षिण दिशा हमेशा उत्तर दिशा की तुलना में ऊंची रहती है। उदाहरण के लिए ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर उज्जैन, पशुपतिनाथ मंदिर मंदसौर इत्यादि। वह घर जहां पश्चिम दिशा में भूमिगत पानी का स्रोत जैसे भूमिगत पानी की टंकी, कुंआ, बोरवेल, इत्यादि होता है, उस भवन में निवास करने वालों में धार्मिकता दूसरो की तुलना में ज्यादा ही होती है।

वास्तु के सिदधांत-

1 त्रिकुट पर्वत पर स्थित मां का भवन (मंदिर) पश्चिम मुखी है जो समुद्रतल से लगभग 4800 फीट ऊंचाई पर है। मां के भवन के पीछे पूर्व दिशा में पर्वत काफी ऊंचाई लिए हुए है और भवन के ठीक सामने पश्चिम दिशा में पर्वत काफी गहराई लिए हुए है जहां त्रिकुट पर्वत का जल निरन्तर बहता रहता है।

2 भवन की उत्तर दिशा ठीक अंतिम छोर पर पर्वत में एकदम उतार होने के कारण काफी गहराई है। यह उत्तर दिशा में विस्तृत गहराई पूर्व से पश्चिम की ओर बढ़ती गई है।

3 भवन की दक्षिण दिशा में पर्वत काफी ऊंचाई लिए हुए है जहां दरबार से ढ़ाई किलोमीटर दूर भैरव जी का मंदिर है। समुद्रतल से इसकी ऊंचाई 6583 फीट है और यह ऊंचाई लगभग पश्चिम नैऋत्य तक है जहां पर हाथी मत्था है।

4 गुफा का पुराना प्रवेश द्वार जो कि काफी संकरा (तंग) है। लगभग दो गज तक लेटकर या काफी झुककर आगे बढ़ना पड़ता है, तत्पश्चात लगभग बीस गज लम्बी गुफा है। गुफा के अन्दर टखनों की ऊंचाई तक शुध्द जल प्रवाहित होता है। जिसे चरण गंगा कहते हैं। वास्तु का सिद्धान्त है कि जहां पूर्व में ऊंचाई हो और पश्चिम में निरन्तर जल हो या जल का प्रवाह हो वह स्थान धार्मिक रूप से ज्यादा प्रसिद्धि पाता है।

5 आज से लगभग 26-27 वर्ष पूर्व प्रवेश द्वार संकरा होने के कारण दर्शनार्थियों को आने-जाने में काफी समय लगता था और अन्य यात्रियों को बहुत देर तक प्रतीक्षा करनी पड़ती थी, जिस कारण सीमित संख्या में लोग दर्शन कर पाते थे। तब भवन की उत्तर ईशान कोण वाले भाग में सन् 1977 में दो नई गुफाएं बनाई गई। इनमें से एक गुफा में से लोग दर्शन करने अन्दर आते हैं और दूसरी गुफा से बाहर निकल जाते हैं।

इन दोनों गुफाओं के फर्श का ढाल भी उत्तर दिशा की ओर ही है। यह दोनों ही गुफाएं भवन में ऐसे स्थान पर बनी जिस कारण इस स्थान की वास्तुनुकूलता बहुत बढ़ गई है। फलस्वरूप इस मंदिर की प्रसिद्धि में चार चांद लगे हैं, इन गुफाओं के बनने के बाद इस स्थान पर दर्शन करने वालों की संख्या पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई है और वैभव भी बहुत बढ़ गया है।

फेंगशुई के सिद्धान्त-

फेंगशुई का सिद्धान्त है कि किसी भी भवन के पीछे की ओर ऊंचाई हो, मध्य में भवन हो तथा आगे की ओर नीचा होकर वहां जल हो, वह भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है। इस सिद्धान्त में किसी दिशा विशेष का महत्व नहीं होता है।

मां वैष्णो देवी भवन के पूर्व में त्रिकुट पर्वत की ऊंचाई है। मंदिर के अन्दर मां की पिण्ड़ी के आगे पश्चिम दिशा में चरण गंगा है जहां हमेशा जल प्रवाहित होता रहता है। भवन के बाहर सामने पश्चिम दिशा में पर्वत में काफी ढलान है जहां पर पर्वत का पानी निरन्तर बहता रहता है।

इस प्रकार माता वैष्णोदेवी का दरबार वास्तु एवं फेंगशुई दोनों के सिद्धान्तों के अनुकुल होने से माता का यह दरबार विश्व में प्रसिद्ध है। इन्हीं विशेषताओं के कारण ही यहां भक्तों का तांता लगा रहता है, खूब चढ़ावा आता है और भक्तों की मनोकामनाएं भी पूर्ण होती हैं।

विश्व की प्राचीन सभ्यताएं और हिन्दू धर्म

भारतीय संस्कृति व सभ्यता विश्व की प्राचीनतम संस्कृतियों में से एक है। मध्यप्रदेश के भीमबेटका में पाए गए 25 हजार वर्ष पुराने शैलचित्र, नर्मदा घाटी में की गई खुदाई तथा मेहरगढ़ के अलावा कुछ अन्य नृवंशीय एवं पुरातत्वीय प्रमाणों से यह सिद्ध हो चुका है कि भारत की भूमि आदिमानव की प्राचीनतम कर्मभूमि रही है। यहीं से मानव ने अन्य जगहों पर बसाहट करने व वैदिक धर्म की नींव रखी थी।

आज से 3,500 वर्ष पूर्व जो सभ्यताएं जीवित थीं उनको पाश्चात्य इतिहासकारों ने प्राचीन सभ्यताएं मानकर ही मानव इतिहास और समाज का विश्लेषण किया, लेकिन उनका यह विश्लेषण एकदम गलत और ईसाई धर्म को स्थापित करने वाला था। इसके लिए उन्होंने ऐसे कई तथ्य नकारे, जो प्राचीन भारत और चीन के इतिहास को महान बताते हैं और ईसा बाद के समाज से कहीं ज्यादा उन्हें सभ्य सिद्ध करते हैं।

प्राचीन सभ्यताओं पर अब कुछ ज्यादा ही शोध होने लगे हैं और उनसे नई-नई बातें निकलकर आ रही हैं, मसलन कि उनका एलियन से संबंध था और वे भी बिजली उत्पादन की तकनीक जानते थे। धरती पर फैली प्राचीन सभ्यताओं के बात करें तो धरती के पश्चिमी छोर पर रोम, ग्रीस और मिस्र देश की सभ्यताओं के नाम लिए जाते हैं तो पूर्वी छोर पर चीन का नाम लिया जाता है। मध्य में स्थित भारत की चर्चाभर करके उसे छोड़ दिया जाता है। क्यों? क्योंकि भारत को जानने से उनके समाज और धर्म के सारे मापदंड गिरने लगते हैं, तो वे नहीं चाहते हैं कि भारत और

उसके धर्म का सच लोगों के सामने आए। लेकिन सच कब तक छिपा रहेगा?

दुनियाभर की प्राचीन सभ्यताओं से हिन्दू धर्म का क्या कनेक्शन था? या कि संपूर्ण धरती पर हिन्दू वैदिक धर्म ने ही लोगों को सभ्य बनाने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में धार्मिक विचारधारा की नए नए रूप में स्थापना की थी? आज दुनियाभर की धार्मिक संस्कृति और समाज में हिन्दू धर्म की झलक देखी जा सकती है चाहे वह यहूदी धर्म हो, पारसी धर्म हो या ईसाई-इस्लाम धर्म हो।

ईसा से 2300-2150 वर्ष पूर्व सुमेरिया, 2000-400 वर्ष पूर्व बेबिलोनिया, 2000-250 ईसा पूर्व ईरान, 2000-150 ईसा पूर्व मिस्र (इजिप्ट), 1450-500 ईसा पूर्व असीरिया, 1450-150 ईसा पूर्व ग्रीस (यूनान), 800-500 ईसा पूर्व रोम की सभ्यताएं विद्यमान थीं। उक्त सभी से पूर्व महाभारत का युद्ध लड़ा गया था इसका मतलब कि 3500 ईसा पूर्व भारत में एक पूर्ण विकसित सभ्यता थी।

ज्योतिष में गाय की महिमा

1. ज्योतिष में गोधूलि का समय विवाह के लिए सर्वोत्तम माना गया है।
2. यदि यात्रा के प्रारंभ में गाय सामने पड़ जाए अथवा अपने बछड़े को दूध पिलाती हुई सामने पड़ जाए तो यात्रा सफल होती है।
3. जिस घर में गाय होती है, उसमें वास्तुदोष स्वत- ही समाप्त हो जाता है।
4. जन्मपत्री में यदि शुक्र अपनी नीच राशि कन्या पर हो, शुक्र की दशा चल रही हो या शुक्र अशुभ भाव (6, 8, 12)- में स्थित हो तो प्रात-काल के भोजन में से एक रोटी सफेद रंग की गाय को खिलाने से शुक्र का नीचत्व एवं शुक्र संबंधी कुदोष स्वत- समाप्त हो जाता है।
5. **पितृदोष से मुक्ति-** सूर्य, चंद्र, मंगल या शुक्र की युति राहु से हो तो पितृदोष होता है। यह भी मान्यता है कि सूर्य का संबंध पिता से एवं मंगल का संबंध रक्त से होने के कारण सूर्य यदि शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या दृष्टि संबंध हो तथा मंगल की यु?ति राहु या केतु से हो तो पितृदोष होता है। इस दोष से जीवन संघर्षमय बन जाता है। यदि पितृदोष हो तो गाय को प्रतिदिन या अमावस्या को रोटी, गुड़, चारा आदि खिलाने से पितृदोष समाप्त हो जाता है।
6. किसी की जन्मपत्री में सूर्य नीच राशि तुला पर हो या अशुभ स्थिति में हो अथवा केतु के द्वारा परेशानियां आ रही हों तो गाय में सूर्य-केतु नाड़ी में होने के फलस्वरूप गाय की पूजा करनी चाहिए, दोष समाप्त होंगे।
7. यदि रास्ते में जाते समय गोमाता आती हुई दिखाई दें तो उन्हें अपने दाहिने से जाने देना चाहिए, यात्रा सफल होगी।
8. यदि बुरे स्वप्न दिखाई दें तो मनुष्य गोमाता का नाम ले, बुरे स्वप्न दिखने बंद हो जाएंगे।
9. गाय के घी का एक नाम आयु भी है- आयुर्वै घृतम्। अत- गाय के दूध-घी से व्यक्ति दीर्घायु होता है। हस्तरेखा में आयुरेखा टूटी हुई हो तो गाय का घी काम में लें तथा गाय की पूजा करें।
10. देशी गाय की पीठ पर जो ककुद् (कूबड़) होता है, वह बृहस्पति है। अत- जन्म पत्रिका में यदि बृहस्पति अपनी नीच राशि मकर में हों या अशुभ स्थिति में हों तो देशी गाय के इस बृहस्पति भाग एवं शिवलिंगरूपी ककुद् के दर्शन करने चाहिए। गुड़ तथा चने की दाल रखकर गाय को रोटी भी दें।
11. गोमाता के नेत्रों में प्रकाश स्वरूप भगवान सूर्य तथा ज्योत्स्ना के अधिष्ठाता चन्द्रदेव का निवास होता है। जन्मपत्री में सूर्य-चन्द्र कमजोर हो तो गोनेत्र के दर्शन करें, लाभ होगा।

छह ऐसी जगहें जहां अपने पास कृष्ण को महसूस करेंगे

मथुरा वृंदावन में कई ऐसे स्थान हैं जिन्हें देखकर आपको यकीन हो जाएगा कि भगवान श्री कृष्ण ने यहां अवतार लिया था। यह स्थान भगवान श्री कृष्ण की बाल लीला की गवाह भी हैं। भगवान श्री कृष्ण के मामा कंश का किला। यमुना तट पर बसा यह किला अब काफी टूट फूट गया है। लेकिन कभी इस किले से मथुरा पर अत्यचारी राजा कंश शासन किया करता था। श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर। माना जाता है कि यह कृष्ण का बंदी गृह था। यहीं कंश ने कृष्ण के माता-पिता देवकी और वासुदेव जी को बंदी बनाकर रखा था। मंदिर के अंदर एक चबूतरा बना हुआ है। कहा जाता है कि यहीं कृष्ण ने अवतार लिया था यह नंदगांव के नंद राय जी का मंदिर है। कंश से कृष्ण की रक्षा के लिए वासुदेव जी नवजात श्री कृष्ण को लेकर यमुना पार नंद गांव लेकर आ गए। यहां वासुदेव जी के मित्र नंदराय और उनकी पत्नी यशोदा ने श्री कृष्ण का लालन-पालन किया। इस घटना को याद दिलाता है यह भव्य मंदिर।

गर्ग संहिता में उल्लेख आया है कि ब्रह्मा जी ने राधा संग भगवान श्री कृष्ण का विवाह करवाया था। जहां कृष्ण और राधा का विवाह हुआ था यही वह स्थान है। इस स्थान का नाम है भंडीरवन।

वृंदावन की गलियों में भगवान श्री कृष्ण राधा और अन्य सखियों के साथ प्रेम लीला किया करते थे। इस बात की गवाह है यमुना तट पर बसा यह निधिवन। यह वन आज भी एक रहस्य है। कहते हैं यही भगवान श्रीकृष्ण ने रास रचाया था। हर रात राधा संग गिरिधारी भगवान श्री कृष्ण पधारते हैं। हर सुबह मंदिर में रखा दातून गीला मिलता है। मंदिर में लगा बिस्तर ऐसा लगता है मानो रात में कोई सोया था। नंदगांव के लोगों को इन्द्र के प्रकोप से बचाने के लिए इसी पर्वत को भगवान श्री कृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर उठाया था। इस पर्वती की परिक्रमा के दौरान आपको कई ऐसे स्थान दिखेंगे जो अपने आस-पास कृष्ण के होने का एहसास दिलाते हैं।

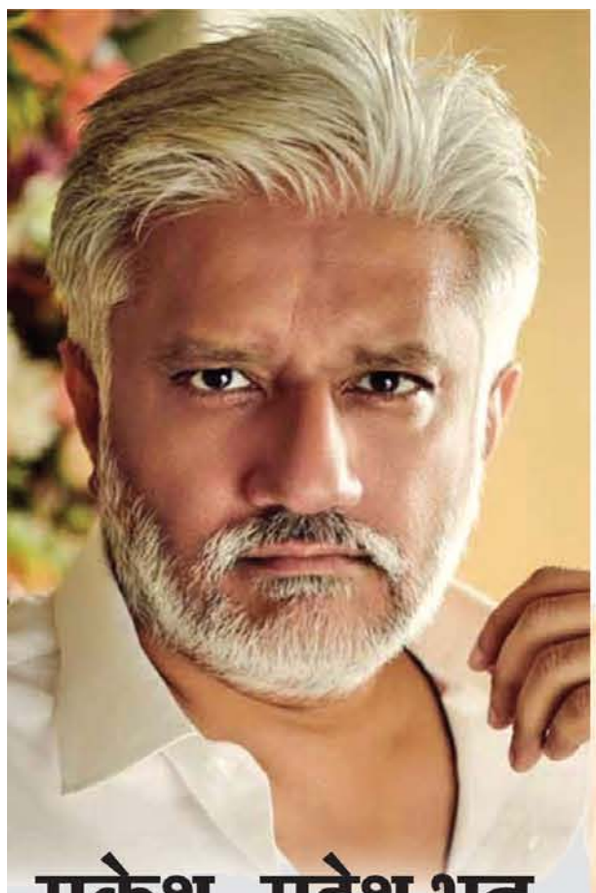

मुकेश- महेश भट्ट की अनबन पर बोले विक्रम भट्ट

विक्रम भट्ट ने महेश और मुकेश भट्ट की अनबन पर बात की है। उन्होंने बताया है कि लंबे समय तक मुकेश ने भट्ट साहब (महेश भट्ट) पर अत्याचार किया था। यही वजह थी कि महेश ने विक्रम को कुछ साल बाद प्रोडक्शन हाउस विशेष फिल्म्स से अलग कर दिया था। वो नहीं चाहते थे कि मुकेश उनकी तरह विक्रम पर भी अत्याचार करे।

विक्रम का महेश और मुकेश के साथ कोई पारिवारिक रिश्ता नहीं है। उन्होंने महेश और मुकेश भट्ट द्वारा को-प्रोड्यूस की गई सक्सेसफुल फेंचाइजी राज का डायरेक्शन किया है। इसके बारे में बात करते हुए, विक्रम ने सिद्धार्थ कानन दिए इंटरव्यू में कहा, 'भट्ट साहब (महेश भट्ट) ने मुझे एक मोर की पेंटिंग गिफ्ट की थी। पेंटिंग में मोर को रेगिस्तान में उड़ता हुआ दिखाया गया था। भट्ट साहब ने मुझसे कहा- ये मोर तुम्हारे जैसा है। इसके बाद से पेंटिंग मेरे हर ऑफिस में रही। एक दिन मैं भट्ट साहब से बात कर रहा था, फिर टॉयलेट चला गया। वापस आने के बाद मैंने देखा कि मेरा ड्राइवर कार में पेंटिंग रख रहा था।

तब मैंने भट्ट साहब से इसका कारण पूछा, तो उन्होंने कहा- आप कंपनी से बाहर निकल जाइए। फिर मेरे पूछे जाने पर उन्होंने कहा- सालों तक मेरे भाई (मुकेश भट्ट) ने मुझ पर अत्याचार किया। मैं नहीं चाहता हूं कि वो आप पर ही अत्याचार करें। आप जाओ और अपने आप कुछ करो।

विक्रम ने आगे कहा कि महेश की बात को उन्होंने मान ली और प्रोडक्शन हाउस विशेष फिल्म्स से दूरी बना ली। उन्होंने यह भी बताया कि इस घटना से पहले ही मुकेश के साथ उनका रिश्ता बिगड़ चुका था। सिर्फ सच्चाई की वजह से वो भट्ट साहब के साथ थे।

मैंने खुद ईगो में महेश से बिगाड़ा था रिश्ता

विक्रम ने आगे महेश भट्ट के साथ खुद की अनबन पर भी बात की। उन्होंने बताया कि एक गलतफहमी की वजह से दोनों में दूरी आ गई थी। इसके लिए उन्होंने खुद को ही कसूरवार ठहराया था। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि उस गलतफहमी में मेरी गलती थी। मुझे एक बार उनसे जरूर पूछना था कि उन्होंने वो सारी बातें कही हैं या नहीं, जिस वजह से गलतफहमी हुई। लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया। मैं ईगो में था और यही मेरी गलती थी। अगर मैं उन्हें अपना गुरु मानता था, तो मुझे उनका सम्मान करना चाहिए था। जब मैं 5-6 साल बाद उनके पास वापस गया, तो मैंने उनसे कहा- बॉस, मैं यहां फिल्म के डायरेक्शन के लिए नहीं आया हूं। मैं यहां अपनी गलती के लिए माफी मांगने आया हूं। आप मुझसे जो कहेंगे मैं भी वही करूंगा। अगर आप कहते हैं कि कोई फिल्म एडिट करो या मेरी कार चलाओ, तो मैं सब कुछ करने को तैयार हूं। ये सुन भट्ट साहब भावुक हो गए थे और कहा था- आप डायरेक्टर हैं, कार क्यों चलाएंगे। इसके बाद उन्होंने मुझे राज 3 के डायरेक्शन का काम दिया।

रियल लाइफ हीरो के किरदार ही क्यों निभाते हैं सिद्धार्थ? खुद बताई वजह

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा इन दिनों अपनी आगामी सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इंडियन पुलिस फोर्स के जरिए सिद्धार्थ ही नहीं इस सीरीज के निर्माता रोहित शेट्टी भी ओटीटी प्लेटफार्म पर कदम रख रहे हैं। हाल ही में, एक बातचीत के दौरान अभिनेता ने बताया कि उन्होंने फिल्मों में रियल लाइफ हीरो पर आधारित भूमिकाएं क्यों चुनीं?

रियल लाइफ हीरो के किरदार निभाना पसंद

सिद्धार्थ मल्होत्रा ने कहा, मुझे रियल लाइफ के हीरो की भूमिका निभाने में अच्छा लगता है, क्योंकि इन किरदारों के बारे में हमने वास्तव में देखा या सुना है और जब ये हीरो बहादुर काम करके देश को गर्व महसूस कराते हैं, तो इन हीरो की कहानी बड़े पर्दे पर उतारकर दर्शकों तक पहुंचाई जाती है। अभिनेता ने आगे कहा, मुझे भू-राजनीति के कुछ हिस्से पसंद हैं। वहीं, जब मैं डाक्यूमेंट्री देखता हूं, तो मुझे वास्तविक जीवन के मिशन पसंद आते हैं। मेरी फिल्म शेरशाह वास्तविक जीवन के नायक पर आधारित फिल्म थी।

पुलिस अधिकारियों के जीवन को लेकर कही यह बात

अभिनेता ने इंडियन पुलिस फोर्स सीरीज के किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, हम सभी पुलिस अधिकारियों को देखते हैं। उनके साथ कभी करीब से बातचीत नहीं कर पाते हैं, लेकिन जब आप इस तरह का किरदार निभाते हैं, तो तब आपको एहसास होता है कि असल जीवन में उन्हें कितनी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। उनके सामने कितनी चुनौतियां होती हैं। उन्हें निजी जिंदगी में भी कितना संघर्ष करना पड़ता है। मैंने इंडियन पुलिस फोर्स में पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई है। इस किरदार को निभाने पर मुझे ये एहसास हुआ कि पुलिस अधिकारी का जीवन कितना चुनौतीपूर्ण होता है।

इस दिन होगी स्ट्रीम

सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म की बात करें, तो अभिनेता की वेब सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स अमेजन प्राइम वीडियो पर 19 जनवरी 2024 से स्ट्रीम हो रही है। इस सीरीज का निर्देशन रोहित शेट्टी ने अपने सहायक सुशांत प्रकाश के साथ किया है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा, शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, विवेक ओबेरॉय, श्वेता तिवारी, निकितिन धीर, ऋतुराज सिंह और मुकेश ऋषि की मुख्य भूमिकाएं हैं।

चंदू चैंपियन की शूटिंग से कार्तिक लेंगे ब्रेक

कार्तिक आर्यन अपनी अदाकारी से लाखों दिलों पर राज करते हैं। रोमांटिक ड्रामा सत्य प्रेम की कथा के बाद वे जल्द ही चंदू चैंपियन में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के लिए वे इन दिनों कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रशिक्षण के साथ वे फिल्म की लगातार शूटिंग कर रहे हैं। एक था टाइगर और बजरंगी भाईजान निर्देशक कबीर खान के साथ कार्तिक की यह पहली फिल्म भी है। इस फिल्म की शूटिंग के बीच अभिनेता को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। इस स्पोर्ट्स ड्रामा के अलावा, कार्तिक के पास भूल भुलैया 3 और आशिकी 3 भी है। पिछले साल कार्तिक के जन्मदिन पर, करण जौहर ने घोषणा की थी कि उन्होंने अभिनेता को भारतीय सेना पर आधारित एक युद्ध ड्रामा फिल्म के लिए चुना है। अपने झगड़े को खत्म करते हुए करण ने यह बात सोशल मीडिया पर साझा की थी।

सौरभ गांगुली का किरदार निभाएंगे आयुष्मान

सिनेमा में बीते कुछ सालों से बायोपिक का बोलबाला है। अलग-अलग क्षेत्र की नामचीन हस्तियों की कहानियों को पर्दे पर उकेरा जा चुका है। इसी कड़ी में पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली की बायोपिक रोमांचक परियोजनाओं में से एक है। रिपोर्ट के अनुसार, आयुष्मान खुराना इस बाएं हाथ के बल्लेबाज की भूमिका निभाने वाले हैं।

विक्रमादित्य मोटवानी को लव रंजन और अंकुर गर्ग द्वारा समर्थित फिल्म का निर्देशन करने के लिए चुना गया है। पूर्व क्रिकेटर सौरभ गांगुली की बायोपिक को लेकर मेकर्स और आयुष्मान खुराना के बीच पिछले साल से ही चर्चा चल रही है। कथित तौर पर, अभिनेता ने हाल ही में औपचारिक रूप से इस परियोजना के लिए साइन अप किया है, और जल्द ही इसके लिए तैयारी शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग, जो अपने लव फिल्म्स बैनर के तहत इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं, उन्होंने आयुष्मान खुराना और विक्रमादित्य मोटवानी को साथ लाकर एक छक्का लगाया है।

आधिकारिक घोषणा का अभी भी इंतजार

रिपोर्ट की मानें तो, गांगुली की तरह बाएं हाथ के कलाकार आयुष्मान उनकी बायोपिक के लिए बिल्कुल फिट हैं, जबकि मोटवानी पहले ही उड़ान, लुटेरा, भावेश जोशी सुपरहीरो और जुबली जैसी फिल्मों में अपनी महारत साबित कर चुके हैं। इस रिपोर्ट मात्र ने मनोरंजन समेत खेल जगत के फैंस का भी उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा का अब तक इंतजार है।

कब शुरू हो सकती है शूटिंग?

यह भी बताया गया है कि शूटिंग शुरू करने से पहले आयुष्मान जल्द ही अपनी गहन क्रिकेट ट्रेनिंग शुरू करेंगे। उम्मीद है कि फिल्म 2024 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर जाएगी। इसके अलावा, यह भी कहा जा रहा है कि विक्रमादित्य ने पहले यह ऑफर छोड़ दिया था और यह तमिल निर्देशक ऐश्वर्या रजनीकांत के पास गया था, लेकिन बात नहीं बन पाई। आखिरकार विक्रमादित्य अब फिल्म करने के लिए राजी हो गए हैं। निर्माता जल्द ही आधिकारिक घोषणा करेंगे और फिल्म के शीर्षक का खुलासा करेंगे।

मनोज बाजपेयी की जोरम ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

देवाशीष मखीजा के निर्देशन में बनी और मनोज बाजपेयी अभिनीत फिल्म जोरम ने सकारात्मक प्रतिक्रिया हासिल की। हालांकि, यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई थी, जिसके कारण अभिनेता बेहद निराश हुए थे। मनोज ने वास्तविक सिनेमा के बजाय मुख्यधारा के मनोरंजनकर्ताओं को प्राथमिकता देने के बारे में चिंता व्यक्त की थी। वहीं, अब मनोज बाजपेयी ने ट्वीट कर फैंस को खुशखबरी दी है। अभिनेता ने एक्स पर साझा किया कि उनकी फिल्म जोरम के स्क्रीनप्ले को एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज लाइब्रेरी के मुख्य संग्रह में शामिल किया जा रहा है। मनोज ने जोरम का एक पोस्टर साझा किया और लिखा, यहां जोरम के लिए एक और पेज-टर्निंग जीत है। स्क्रीनप्ले, एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज लाइब्रेरी के मुख्य संग्रह का हिस्सा बन गई है। जैसे ही अभिनेता ने यह खबर साझा की फैंस, कलाकार और फिल्म की टीम को बधाई देने लगे। एक व्यक्ति ने टिप्पणी की, बधाई हो सर।

महारानी की शूटिंग पर उमर अब्दुल्ला की आपत्ति पर हंसल मेहता ने तोड़ी चुप्पी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को विधान सभा परिसर के अंदर हुमा कुरेशी की महारानी की शूटिंग की निंदा की और इसे पूरी तरह से शर्मनाक बताया। इसके साथ ही सरकार पर लोकतंत्र के प्रतीक को एक सेट तक सीमित करने का आरोप लगाया। उन्होंने उस दृश्य पर भी नाराजगी व्यक्त की, जिसमें एक अभिनेत्री को शो में मुख्यमंत्री की भूमिका निभाते हुए दिखाया गया था।

महारानी शूट की तस्वीरें साझा करते हुए उमर ने एक्स पर लिखा, लोकतंत्र की जननी का असली चेहरा, जहां एक वक्त पर सभी दलों, धर्मों, पृष्ठभूमि और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों के लोगों के चुने हुए प्रतिनिधि गंभीर मामलों पर कानून बनाते हैं। वहीं, अभिनेता और एक्स्ट्रा कलाकार इसे टीवी नाटकों के सेट के रूप में उपयोग करते हैं। कितनी शर्म की बात है कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा संचालित सरकार ने इसे दुखद स्थिति में पहुंचा दिया है। यहां तक कि उनके पास एक नकली सीएम भी है, जो उस कार्यालय से आ रहा है, जिस पर मुझे 6 साल तक रहने का विशेषाधिकार प्राप्त था। कितनी बड़ी शर्म की बात है! हंसल मेहता ने उमर के ट्वीट का जवाब देते हुए लिखा, यह शर्म की बात क्यों है? किसी नाटक का फिल्मांकन किस प्रकार लोकतंत्र या लोकतंत्र की जननी का अपमान कर रहा है? फिल्म सेट पर अभिनेता, पृष्ठभूमि कलाकार सहित सभी लोग इस देश के नागरिक हैं और उन्हें सम्मान के साथ काम करने और सम्मान और समझ का पात्र होने का पूरा अधिकार है। उन्होंने आगे कहा, दुनिया भर के देशों में, हमें शूटिंग के लिए सार्वजनिक स्थानों, सरकारी भवनों, काउंसिल हॉल आदि का उपयोग करने की अनुमति दी जाती है। इस अरुचिकर रवैये के कारण ही भारत को एक अनफेंडली शूटिंग लोकेशन माना जाता है और हम अक्सर विदेश में शूटिंग करना पसंद करते हैं। मेरे मन में आपके लिए बहुत सम्मान है, लेकिन यह बहुत अपमानजनक है।

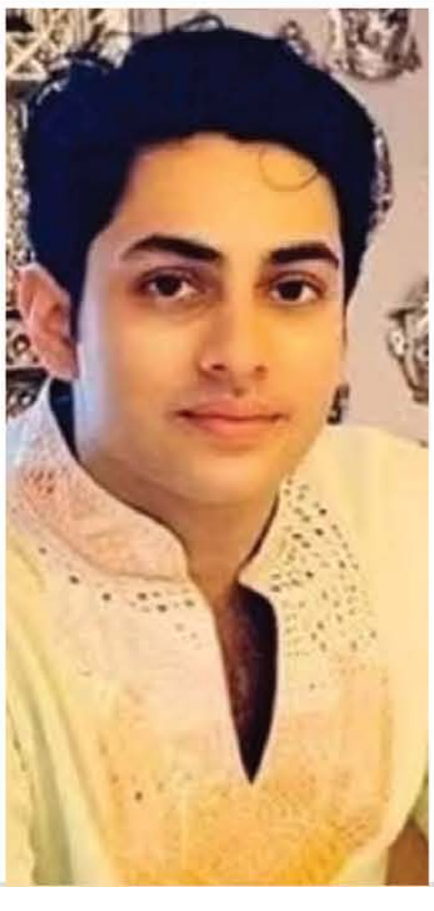

अगस्त्य नंदा ऐसे कर रहे इक्कीस की तैयारी

अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा ने हाल ही में जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। अभिनेता के साथ शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर ने भी अभिनय करियर की शुरुआत की थी। पहली फिल्म के बाद अब अगस्त्य नंदा पूरी तरह से अपनी दूसरी फिल्म के लिए तैयार हैं। वे धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत के साथ श्रीराम राघवन की इक्कीस में नजर आएंगे। अब अगस्त्य ने दोनों दिग्गज कलाकारों के साथ काम करने का अनुभव साझा किया है। साक्षात्कार में अगस्त्य नंदा ने भूमिका के लिए तैयार होने के बारे में बात की। वे इन दिनों ट्रेनिंग के लिए पुणे में हैं। खुद को सेना की जीवन शैली, उसके अनुशासन और निष्ठा का प्रशंसक बताते हुए उन्होंने कहा कि एक बोर्डिंग स्कूल में जाने से उन्हें लगभग पांच प्रतिशत का अनुभव हुआ कि सेना में जीवन कैसा हो सकता है। अगस्त्य ने यह भी बताया कि रेजिमेंट में उनकी भागीदारी से राष्ट्र और सेना के प्रति उनकी प्रशंसा बढ़ी है। अगस्त्य नंदा ने धर्मेंद्र और जयदीप अहलावत जैसे अनुभवी अभिनेताओं के साथ काम करने को लेकर घबराहट महसूस होने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वे बहुत वरिष्ठ हैं, खासकर जब वे धर्मेंद्र के सामने हों और उनके साथ बातचीत करना एक अवास्तविक क्षण है। अगस्त्य ने इन महान अभिनेताओं और लोगों से बहुत कुछ सीखने की उम्मीद जताई। उन्होंने जयदीप के बारे में बात करते हुए कहा कि लुक टेस्ट के दौरान जयदीप अहलावत ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया था। उन्हें सेट पर सकारात्मक और गर्मजोशी भरे माहौल की उम्मीद की है। अगस्त्य ने कहा कि वे सेट पर जाकर सबकुछ देखेंगे।

अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित फिल्म

यह बायोपिक परमवीर चक्र पाने वाले सबसे कम उम्र के अरुण खेत्रपाल के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म की कहानी 1971 के युद्ध के ऐतिहासिक पलों को उजागर करेगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रीराम राघवन की फिल्म में अगस्त्य आर्मी ऑफिसर का किरदार निभाएंगे। फिल्म इक्कीस की शूटिंग इस महीने शुरू की जाएगी। फिल्म का निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं।

एनिमल की सफलता के बाद रणबीर ने डबल की फीस!

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कलेक्शन किया था। अब सुनने में आ रहा है कि इस फिल्म के सफल होने के बाद रणबीर ने अपनी फीस हाइक कर ली है। एक रिपोर्ट की मानें तो एनिमल की सफलता को देखते हुए रणबीर ने अपनी फीस 30 करोड़ रुपए से बढ़ाकर सीधा 65 करोड़ रुपए कर ली है। हालांकि, अभी तक इस पर एक्टर या उनकी टीम की तरफ से कोई कन्फर्मेशन नहीं आया है।

फैमिली को भी नहीं पता फीस डिटेल्स

रणबीर से जुड़े एक करीबी की मानें तो उनकी वाइफ आलिया और उनकी मां नीतू कपूर को भी नहीं पता कि एनिमल के बाद रणबीर अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए कितनी फीस ले रहे हैं।

8 करोड़ से बढ़कर 50 करोड़ हुई सनी की फीस

रिपोर्ट्स की मानें तो हर एक्टर अपनी फिल्म की सफलता के बाद अपनी फीस बढ़ाता है। इससे पहले सनी देओल ने भी 'गदर-2' के बाद फीस हाइक की थी। फिल्म रिलीज होने के पहले एक्टर मात्र 8 करोड़ रुपए चार्ज करते थे। अब चर्चा है कि एक्टर प्रति फिल्म 50 करोड़ रुपए चार्ज कर रहे हैं।

सांसद व नोएडा प्रभारी ने मंदिरों में की सफाई

नोएडा (चेतना मंच)। प्रभु श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सभी देशवासियों को अपने निकटतम देवस्थानों एवं तीर्थ की साफ-सफाई करने को लेकर चलाए जा रहे देशव्यापी स्वच्छता अभियान के तहत नोएडा में कई मंदिरों में सफाई की गई।

सेक्टर-19 स्थित सनातन धर्म मंदिर, हनुमान मंदिर सेक्टर-20 और सेक्टर-25 स्थित गुरुद्वारा में सांसद डॉ महेश शर्मा और राज्य सभा सांसद एवं नोएडा प्रभारी श्रीमती कांता कर्दम ने श्रमदान किया। सबसे पहले सनातन धर्म मंदिर में मंदिर परिसर में सफ़ाई की और फिर पूजा अर्चना की।

अभियान में महामंत्री गणेश जाटव, गिरजा सिंह, उमेश यादव, लोकेश कश्यप, शारदा चतुर्वेदी, उषा थापा, ममता श्रम, मंजु श्रम, संजय बाली, रवि मिश्रा, सत्येन्द्र सिरोही आदि कार्यकर्ता रहे।

7वीं पुण्यतिथि पर स्व.विद्याराम शर्मा को दी गई श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित पीतांबर शर्मा एडवोकेट के पिता स्वर्गीय विद्याराम शर्मा की सातवीं पुण्यतिथि पर चिटहेडा गांव में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजनेताओं सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने उपस्थित होकर स्वर्गीय विद्याराम शर्मा एवं स्वर्गीय वैभव शर्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की।

चिटहेडा गांव स्थित स्मरण स्थल पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पंडित पीतांबर शर्मा ने अपने परिजनों के साथ हवन यज्ञ किया। हवन के पश्चात सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इसके पश्चात दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने बताया कि 13 जनवरी 2017 को उनके इंजीनियर बेटे वैभव शर्मा का एक दुर्घटना में निधन हो गया था। इस सदमे को उनके पिता पंडित विद्याराम शर्मा सहन नहीं कर पाए और इस हादसे के अगले दिन ही उनकी असमय मृत्यु हो गई। प्रथम बरसी पर सभी परिजनों ने तय किया कि उनकी याद में स्मरण स्थल बनाकर उनकी मूर्ति स्थापित कराई जाए। वर्ष 2018 में चिटहेडा गांव में स्मरण स्थल पर बने मंदिर में स्वर्गीय विद्याराम शर्मा की मूर्ति की स्थापना की गई। प्रत्येक वर्ष परिजनों, प्रियजनों एवं क्षेत्रवासियों द्वारा पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा, दादरी विधान सभा क्षेत्र से विधायक तेजपाल नागर, सिकंदराबाद विधायक लक्ष्मीराज, पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, पूर्व मंत्री सतीश शर्मा, पूर्व विधायक पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, दादरी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती गीता पंडित, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी, पंडित पीतांबर शर्मा के अनुज अशोक शर्मा, आर्मी नॉर्थलैंड स्कूल के चेयरमैन वेदराम शर्मा, रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष कपिल शर्मा, गौतमबुद्धनगर के पूर्व जिलाधिकारी बीएन सिंह, एडीएम प्रशासन मेरठ अमित कुमार सिंह, गुर्जर नेता राधाचरण भाटी, डा. नूतन शर्मा, प्रदीप कुमार, अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा मथुरा महिला विंग की अध्यक्ष श्रीमती नीलम, प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ विनोद, प्रदेश महामंत्री अनीता शुक्ला, रामपुर जिलाध्यक्ष संदीप शर्मा, बागपत जिलाध्यक्ष मनोज शर्मा, अनूपशहर अध्यक्ष अर्चना शर्मा, गाजियाबाद महानगर अध्यक्ष सुभाष शर्मा, जिलाध्यक्ष जैनेंद्र शर्मा, भारतीय किसान यूनियन अंबावता के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, गौतमबुद्धनगर के जिलाध्यक्ष राजेश शर्मा, दादरी नगर अध्यक्ष मांगेराम शर्मा, बुलंदशहर अध्यक्ष

अमरपाल शर्मा, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष गोपाल दत्त, चेतना मंच समूह के प्रधान संपादक आरपी रघुवंशी, जिला महेश भारद्वाज सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सनातन धर्म मंदिर में मकर संक्रांति मनाई

नोएडा (चेतना मंच)। ब्रह्मास्त्र ब्राह्मण संघ द्वारा 'मकर संक्रांति' का पर्व श्री

सनातन धर्म मंदिर, सेक्टर-19 में धूमधाम से 'खिचड़ी प्रसाद' के साथ मनाया गया। सांसद डॉ महेश शर्मा ने खिचड़ी प्रसाद का शुभारंभ करते हुए सभी को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं दीं।

राज्यसभा सांसद श्रीमती कांता कर्दम ने मंदिर में सफाई अभियान के साथ-साथ सप्रेम खिचड़ी वितरण में हिस्सा लिया।

इस मौके पर पं. रविकांत मिश्रा, ब्रह्मास्त्र ब्राह्मण संघ के सेवकों में अनुपम शर्मा, डीडी तिवारी, सुशील द्विवेदी, अभिनव पांडेय, अनुज त्रिपाठी, राहुल द्विवेदी, प्रतुल पाण्डेय, अनुभव शर्मा, चंद्रेश शर्मा, जितेन्द्र मिश्रा, ठाकुर प्रसाद तिवारी, आचार्य संदीप पाण्डेय, हरीश मिश्र,सुनिता शुक्ला, बालमुकुंद त्रिपाठी, कमलेश तिवारी, नीरज राय, मनोज मिश्रा, डॉ सीताराम शर्मा, दिलीप झा, नरेश शर्मा, नताशा मिश्रा, राहुल त्रिपाठी,धर्मेंद्र तिवारी के अलावा भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्षा श्रीमती शारदा चतुर्वेदी, संजय बाली, उद्योगपति पीयूष द्विवेदी आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अचानक आग का गोला बनी कार, बाल-बाल बचा चालक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में पेट्रोल पंप के पास सड़क पर दौड़ रही एक कार में अचानक से आग लग गई। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते आग ने विकराल रुप धारण कर लिया और कार को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया। कार के चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई।

जानकारी के अनुसार, नोएडा के सेक्टर 63 में स्थित गांव वाजिदपुर के पेट्रोल पंप के पास सेक्टर 63 की ओर जा रही हुंडई आई-20 कार में अचानक आग लग गई। कार में सवार व्यक्ति ने कार में लगी आग देख कार को रोक दिया और कार से नीचे उतर गया, जिससे वजह से उसकी जान बच गई। सूचना मिलने पर तत्काल थाना सेक्टर 63 पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई और आग पर पूरी तरह काबू का लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने का कोई समाचार नहीं है। मौके पर मौजूद पुलिस मामले की जांच कर वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

एनईए चुनाव : विपिन मल्हन पैनल के प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोशिएसन के चुनाव 2024-26 के लिए विपिन मल्हन एवं वी के सेठ पैनल के सभी प्रत्याशियों ने चुनाव अधिकारी के समक्ष अपने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए।

एनईए चुनाव के लिए नामांकन से पहले पैनल के सभी प्रत्याशी सनातन धर्म मंदिर सेक्टर-19 में एकत्रित हुए। पूजा अर्चना के बाद भगवान श्री राम का आशीर्वाद लेकर सभी नामांकन भरने एनईए भवन सेक्टर-6 गए। रास्ते में सेक्टर-9 एवं सेक्टर-5 में जगह-जगह स्वागत कार्यक्रम हुआ।

चुनाव अधिकारियों को अपना नामांकन पत्र सौंपने के बाद विपिन मल्हन ने कहा कि अगर हमारा पैनल चुनाव जीतकर आता है तो हम पहले की भाँति अपने उद्यमी साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलते रहेंगे और समस्याओं के निदान के लिये लगातार कार्य करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि हमें पूर्ण भरोसा है कि हमारा पैनल पुन: चुनाव जीत कर इतिहास रचेगा। उन्होंने कहा शहर के उद्यमियों का समर्थन हमारे साथ है।

स्किल डेवलपमेंट में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुष्पा भट्ट सम्मानित

नोएडा (चेतना मंच)। स्किल डेवलपमेंट में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए श्रीमती पुष्पा भट्ट को नव ऊर्जा युवा संस्थान एवं लाइंस क्लब नोएडा शिवा की तरफ से एक शाम नारी शक्ति के नाम कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम मौजूद थीं।

पुष्पा भट्ट एपेरल सेक्टर स्किल काउंसिल की तरफ से मास्टर ट्रेनर के रूप में महिलाओं को परिधान के गुर सिखा रही है। इसके साथ-साथ वह महिलाओं को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग भी देती हैं। भारत सरकार के स्किल डेवलपमेंट के कई सारे प्रोजेक्ट (समर्थ, संकल्प, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना) के माध्यम से युवा साथियों का टेक्सटाइल के विषयो में स्किल डेवलपमेंट करती हैं। सच में इस तरीके की महिलाएं समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

उप्र में 'मिशन 80' के लिए जुटी बीजेपी

नोएडा (चेतना मंच)। सब जानते हैं कि लोकसभा चुनाव-2024 का बिगुल बजने वाला है। ऐसे में सत्तारूढ़ पार्टी बीजेपी की पूरी निगाह देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश पर टिकी हुई है। उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80

सीट हैं। पुरानी कहावत है कि दिल्ली की गददी का रास्ता उत्तर प्रदेश से ही होकर जाता है। यही कारण है कि बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में पूरी ताकत लगा रखी है।

आपको बता दें कि बीजेपी ने उत्तर प्रदेश को लेकर मिशन-80 घोषित किया है। इस मिशन का मतलब है कि बीजेपी यूपी की सभी 80 लोकसभा सीट जीतना चाहती है। वर्ष-2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी... ने उत्तर प्रदेश की 80 में से 73 सीट जीत कर बड़ी कामयाबी दर्ज की थी। वर्ष-2019 में हुए लोकसभा चुनाव में बीजेपी को थोड़ा सा नुकसान हुआ था। वर्ष-2019 में बीजेपी ने उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से 64 सीट जीती थीं। इस बार लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी के नेतृत्व ने उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीट जीतने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए उत्तर प्रदेश के लिए खास रणनीति भी बनाई गई है।

'मिशन 80' को पूरा करने के लिए बीजेपी ने उत्तर प्रदेश को 20 अलग-अलग भागों में बांटा है। इन सभी 20 भागों को कलस्टर का नाम दिया गया है। पूरे उत्तर प्रदेश के अलग-अलग कलस्टर बनाकर प्रत्येक कलस्टर में उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रियों तथा बीजेपी में बड़े नेताओं को प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश में प्रभारी बनाए गए भाजपा के नेताओं को तीन से सात लोकसभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी दी गई है। प्रभारी बनाए गए नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में तुरंत जीत के समीकरण बनाने को कहा गया है।

यूपी को 20 भागों में बांटा

कहां कौन बना बीजेपी का प्रभारी

आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश में 20 नेताओं को अलग-अलग कलस्टर का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को लखनऊ, उन्नाव, मोहनलाल गंज तथा रायबरेली लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के कृषिमंत्री सूर्यप्रताप शाही को आजमगढ, मऊ तथा बालिया लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह को केसरगंज, बहराइच, श्रावस्ती तथा गोंडा लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के भूतपूर्व मंत्री सुरेश राणा को बरेली, पीलीभीत, आंवला, शाहजहांपुर तथा बदायूं लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के कौशल विकास राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल को नोएडा (गौतमबुद्धनगर), गाजियाबाद, बागपत तथा मेरठ लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के समाज कल्याण मंत्री असीम अरूण को हाथरस, मथुरा तथा अलीगढ लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद्र यादव को वाराणसी, गाजीपुर तथा चंदौली लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह को अयोध्या तथा अंबेडकरनगर लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है। इसी प्रकार बीजेपी में कानपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अनिल यादव को उत्तर प्रदेश की हमीरपुर, बांदा तथा फतेहपुर लोकसभा सीट का प्रभारी बनाया गया है।